पेज. 4 पंचमुखी सिद्धि गणेश मंदिर में विधायक

मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

RNI NO. MPHIN38290 (TC)

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

18 सितम्बर 2024

वर्ष 02, अंक 24, - मूल्य 02 रूपए

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 73,272 Silver89,475 Crude Oil 5,806 Natural Gas 302.30 Aluminium 230.30 Copper 805.90

सब जूनियर गर्ल्स नेशनल फुटबॉल चैम्पियनशिप में मध्य प्रदेश ने उड़ीसा को किया पराजित, द ग्रेट खली को देखने उमड़े खेल प्रेमी दर्शक

नीमच। फुटबॉल के लिए प्रख्यात मालवा की लाल माटी की ऊर्जावान धरा नीमच में खेली गई ।सब जूनियर गर्ल्स फुटबॉल चैम्पियनशिप लीग मुकाबलों को जीतने के लिए फाइनल में दोनों ही टीमों में जबरदस्त उत्साह देखा गया,फायनल मैच मंगल वार को दूधिया रोशनी में उड़ीसा और मध्य प्रदेश के बीच खेला गया।

दोनों ही टीमों में कांटे का मुकाबला था। मध्य प्रदेश की टीम की जर्सी नंबर 7 सामनी धुर्वे ने एक गोल किया। उड़ीसा की कुंडगम अम्बालिका ने भी1गोल किया। उड़ीसा टीम की जर्सी नंबर 3 खिलाड़ी जो की गोली थी उसकी गलती से एक ऑन गोल हो गया था इसी कारण यह मैच मध्य प्रदेश की टीम दो एक से जीत गई। कार्यक्रम में ग्रेट खली ने 7.15 पर स्टेडियम में प्रवेश किया। खली का आयोजन समिति के अध्यक्ष अरुल अशोक अरोड़ा ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। खली ने सभी का अभिवादन स्वीकार किया। इस अवसर पर विधायक दिलीप सिंह परिहार,नगर पालिका अध्यक्ष स्वाती गौरव चोपड़ा ,संतोष चोपड़ा ,मध्य प्रदेश खेल संगठन के प्रदेश महासचिव अमित रंजन देव सहित बड़ी संख्या मे पदाधिकारी मंचासिन थे। बुंदी की आतिशबाजी से खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया गया। स्टेडियम में उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए द ग्रेट खली ने कहा कि मध्य प्रदेश और उड़ीसा की टीम ने अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। दूसरी बार नीमच आने का अवसर मिला नीमच की जनता खेल प्रेमी है बहुत प्यार मिला है खिलाड़ियों के प्रति लोगों में बहुत जोश और क्रेज है मध्य प्रदेश की टीम जीती उन्हें बधाई ,उड़ीसा की टीम को भी बधाई हार जीत खेल के महत्वपूर्ण अंग है। दो खिलाड़ी खेलेंगे तो एक की हार और एक की जीत होती। नरेंद्र मोदी का जन्मदिन है मध्य प्रदेश की जीत देश के प्रधानमंत्री के लिए अभिनव सौगात है ।वही नगर की फुटबॉल प्रेमी जनता ने एक शानदार मुकाबला देखा । दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों में जीत के प्रति उम्मीद देखी गई संघर्ष पूर्ण मुकाबला हुआ। दोनों ही टीमों ने रोमांचक खेल का प्रदर्शन किया। उल्लेखनीय है कि इस राष्ट्रीय फुटबॉल स्पर्धा में कई उत्कृष्ट मैच देखने को मिले हैं ।मध्यप्रदेश की बालिकाओं ने जहाँ लीग मैचों में अपने शानदार प्रदर्शन से सभी टीमों को परास्त किया, वहीं मध्यप्रदेश की बालिकाओं ने दमखम के साथ फाइनल में प्रवेश किया। मध्य प्रदेश के इतिहास में पहली बार सब जूनियर टीम दुधिया रोशनी में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन दिखायेंगे ।17 सितम्बर को दुधिया रोशनी में हुवा, फाइनल मैच को लेकर डॉ. राजेंद्र प्रसाद स्टेडियम लालमाटी के खिलाड़ी मैदान पर जोश में आकर खेले ।द ग्रेट खली भी खेल कार्यक्रम में सहभागी बनें। उन्होंने खिलाड़ीयों का उत्साहवर्धन अभिवादन हाथ हिलाकर किया ।फुटबॉल मैच में प्रोत्साहन के लिए जवानों, अधिकारियों के साथ ही नीमच के खेल प्रेमी बालिकाओं का उत्साह बढ़ाने बड़ी संख्या में उपस्थित थे। महिला सब जूनियर फुटबाल प्रतियोगिता में जीसी सीआरपीएफ नीमच, साक्षी सुरक्षा वेलफेयर फाउंडेशन, चंदनबाला फिजियोथैरेपी ,नगर पालिका नीमच, ज्ञानोदय मल्टी हॉस्पिटल, फाइट ऑफ़ किंग आदि का सहयोग उल्लेखनीय रहा।

फाउंडेशन द्वारा इन सभी पदाधिकारीयो संस्थाओं के प्रतिनिधियों का सम्मान किया गया और सभी का धन्यवाद व्यक्त किया गया। मध्य प्रदेश फुटबॉल एसोसिएशन और जिला फुटबाल संघ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सब जूनियर गर्ल्स नेशनल फुटबॉल चेम्पियनशिप का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया ।डॉ राजेंद्र प्रसाद स्टेडियम में 17 सितम्बर मंगलवार शाम 6.30 बजे फाइनल मैच मप्र और उड़ीसा बीच खेला गया। आयोजन समिति पदाधिकारीयों द्वारा नि:शुल्क पास वितरण किए गए थे ।कार्यक्रम का संचालन पंकज श्रीवास्तव ने किया तथा आभार संतोष चोपड़ा ने व्यक्त किया।

भगवान विश्वकर्मा को निर्माण, कारीगरी, शिल्पकारी और इंजीनियरिंग क्षेत्रों का माना जाता है इष्ट- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सृष्टि के शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा जयंती पर मुख्यमंत्री निवास स्थित तकनीकी कक्ष में भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा को सृष्टि का सर्वोच्च वास्तुकार, यांत्रिकी विज्ञान और स्थापत्य वेद का निर्माता माना जाता है। भगवान विश्वकर्मा को निर्माण, कारीगारी, शिल्पकारी, इंजीनियरिंग आदि क्षेत्रों का इष्ट माना जाता है। वे मशीनरी एवं शिल्प उद्योगों के प्रमुख आराध्य हैं।

गर्व का विषय है कि विश्वकर्मा समुदाय ने अपने श्रम और समर्पण से देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज का दिन बहुत पावन है। शिल्प शास्त्र के अधिष्ठाता भगवान विश्वकर्मा जी का पूजन दिवस है तो दूसरी तरफ ज्ञान, बुद्धि और समृद्धि के देवता श्रीगणेश एवं श्रीहरि की स्तुति के लिए अनंत चतुर्दशी भी हम मना रहें है। मेरी यही प्रार्थना है कि प्रभु का आशीर्वाद सभी प्रदेशवासियों पर बना रहें ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री मोदी का जन्म-दिवस भी है, जोस्किल इंडिया जैसे महत्वपूर्ण अभियानों से देश के करोड़ों युवाओं को आत्म-निर्भर बना रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि गत वर्ष प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 13 हजार करोड़ रूपए की प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का शुभारंभ किया था, जिसका उद्देश्य तकनीकी और शिल्पकारी से जुड़े विश्वकर्मा समाज के भाई-बहनों को आर्थिक समृद्धि की ओर ले जाना है। इस योजना से उन्हें अपने हुनर को और निखारने का अवसर मिल रहा है,

जिससे उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं। मध्यप्रदेश सरकार विश्वकर्मा योजना के शत-प्रतिशत क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है।

सरवानिया महाराज में स्वच्छता ही सेवा के तहत होंगे विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

सरवानिया महाराज। स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत नगरी प्रशासन एवं आवास विभाग मध्य प्रदेश शासन एवं कलेक्टर महोदय नीमच के निर्देशन अनुसार विभिन्न कार्यक्रम नगर परिषद में गतिविधियों आयोजित करेगी! सीएमओ श्री गिरीश शर्मा ने बताया है कि 17 सितंबर 2024 मंगलवार सुबह 8.00 बजे से 10.00 तक जनप्रतिनिधियों, आम नागरिकों, निकाय कर्मचारी द्वारा नगर के नीमच रोड स्थित महाराणा प्रताप स्मारक के प्रांगण एवं शासकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर श्रमदान कर स्वच्छता रखने की शपथ ली गई है श्री शर्मा ने बताया गया है कि है

अभियान निरंतर 17 सितंबर 2024 से 2 अक्टूबर 2024 तक चलेगा और समापन 2 अक्टूबर 2024 को होंगे इस बीच प्रत्येक दिन स्वच्छता हेतु विभिन्न गतिविधियां नगर में विभिन्न विभिन्न वार्डों में आयोजित होगी

साथ ही निकाय सफाई मित्रों स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य मित्रों के स्वास्थ्य परीक्षण भी करवाए जाएंगे।

कुकडेश्वर में सफाई अभियान, चलाकर स्वच्छता जागरूकता रथ को रवाना किया

कुकड़ेश्वर (हर्षित माहेश्वरी)। नगर परिषद कुकडेश्वर अध्यक्ष श्रीमती उर्मिला महेंद्र पटवा ने स्वच्छता ही सेवा अभियान का शुभारंभ किया। 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक आयोजित इस अभियान के तहत नगर परिषद अध्यक्ष ने कुकडेश्वर के महादेव तालाब पर विशेष सफाई अभियान चलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष ने स्वच्छता जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाई और उपस्थित सभी सफाई मित्रों, परिषद कर्मचारी और नागरिकों ने स्वच्छता की शपथ दिलाई।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी कमलसिंह परमार ने बताया हमें जलीय संरचना को भी सुंदर स्वच्छ रखना है। स्वच्छता अभियान का महादेव तालाब पर साफ-सफाई कर शुभारंभ किया गया। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के तहत साईकिल रैली, स्वच्छता पर मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा। इसमें स्कूली बच्चें भाग लेंगे। 2 अक्टूबर तक चलने वाले अभियान में हर दिन स्वच्छता पर गतिविधियों का आयोजन होगा। अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री महेंद्र पटवा, उपाध्यक्ष प्रतिनिधि श्री उज्जवल पटवा, पार्षद श्री भागीरथ मालवीय, श्री राजू मालवीय, गणमान्य नागरिक नगर परिषद के सभी कर्मचारीगण, सफाई मित्र उपस्थित थे।

स्वच्छता की सेवा कार्यक्रम के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी इस मौके पर किया गया। उपस्थित जनों ने राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के उदबोधन का लाइव प्रसारण देखा व सुना। इस दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभांवित हितग्राही को गृह प्रवेश कराया गया।

डीकेन में वृहद स्वच्छता अभियान का शुभारंभ

डीकेन। नगर परिषद डीकेन द्वारा स्वच्छता ही सेवा राष्ट्रव्यापी अभियान स्वभाव स्वच्छता - संस्कार स्वच्छता के तहत शासन से प्राप्त निर्देशानुसार एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी महोदय श्रीमति परमिला ठाकुर के निर्देशन में दिनांक 17 सितम्बर को नगर के सार्वजनिक स्थल गणपति चौक डीकेन में वृहद स्वच्छता अभियान का शुभारंभ किया गया।

इस अभियान में समस्त जनप्रतिनिधियों, आम नागरिकों द्वारा स्वच्छता अभियान में अपने नगर को स्वच्छ रखने के लिए अपना सहयोग प्रदान किया तथा उपस्थित नागरिकों जनप्रतिनिधियों को नगर परिषद डीकेन अध्यक्ष श्री श्रवण कुमार पाटीदार द्वारा स्वच्छता की शपथ दिलवाई गई तथा नागरिकों को इस अभियान को सफल बनाने की अपील कर अपना सहयोग प्रदान करने हेतु जागरूक किया गया। इसके साथ ही स्वच्छता ही सेवा पखवाडा अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत लाभान्वित हितग्राहियों का गृह प्रवेश करवाया गया। आयोजित कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष श्री श्रवण कुमार पाटीदार, समस्त पार्षदगण, समस्त सहयोगी नागरिक बंधु, मुख्य नगरपालिका अधिकारी महोदया श्रीमति परमिला ठाकुर एवं नगर परिषद के समस्त सफाई मित्र एवं कर्मचारी गण उपस्थित थे।

खराब सड़क के पुनर्निर्माण की मांग, कई मुसीबत का सामना करने को मजबूर ग्रामीण

नीमच। नीमच जिले की भंवरसा पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम जेतपुरा से भंवरसा के बीच डेढ़ किलोमीटर का मार्ग विगत लंबे समय से खराब है और बारिश के दिनों में यहां भयंकर कीचड़ हो जाने के कारण ग्राम वासियों का पैदल गुजरना भी मुश्किल हो जा रहा है जिसको लेकर ग्रामीणों ने पूर्व में भी कई बार जनप्रतिनिधियों सहित संबंधित विभाग में शिकायत दर्ज कराते हुए रोड निर्माण की मांग की है परंतु अब तक कोई भी निराकरण नहीं निकला है, मंगलवार को ग्रामीण कलेक्टर कार्यालय पहुंचे जहां उन्होंने एक शिकायती आवेदन प्रस्तुत करते हुए। गांव जेतपुरा से भंवरसा तक रोड निर्माण की मांग की है ग्रामीणों ने बताया कि गांव के अधिकतर युवा सड़क के कारण बेरोजगार है और उनका विवाह भी नहीं हो पा रहा है। क्योंकि गांव तक पहुंचाने के लिए जो मार्ग प्रचलित है वह काफी खराब है जिसके चलते कोई भी व्यक्ति गांव से शादी विवाह के संबंध जोड़ना नहीं चाहता यही नहीं स्कूली बच्चे और ग्रामीणों को यदि कोई भी काम होता है। तो उन्हें नीमच जिला मुख्यालय पर आने के लिए 9 से 10 किलोमीटर का अतिरिक्त सफर तय करना पड़ता है ऐसे में ग्रामीणों ने उक्त डेढ़ किलोमीटर के मार्ग के निर्माण की मांग की है।

डीकेन में स्वच्छता संवाद, स्वच्छता शपथ एवं साईकिल रैली का आयोजन

डीकेन। नगर परिषद डीकेन द्वारा शासन से प्राप्त निर्देशानुसार दिनांक 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा स्वभाव स्वच्छता - संस्कार स्वच्छता राष्ट्रव्यापी अभियान का आयोजन किया जा रहा है जिसके तहत दिनांक 18 सितम्बर को नगर परिषद डीकेन द्वारा सरदार पटेल विद्यालय एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डीकेन में स्वच्छता संवाद, स्वच्छता शपथ एवं साईकिल रैली का आयोजन किया गया। गतिविधि के दौरान सर्वप्रथम मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्रीमति प्रमिला ठाकुर द्वारा सरदार पटेल विद्यालय डीकेन के छात्र-छात्राओं से स्वच्छता संवाद किया गया तथा उसके पश्चात शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डीकेन के छात्रो एवं नगर के आम नागरिकों एवं नगर परिषद के कर्मचारियों द्वारा सायकल रैली का आयोजन किया गया तत्पश्चात श्रीमति परमिला ठाकुर द्वारा उपस्थित छात्र-छात्राओं से स्वच्छता संवाद किया गया जिसमें उनके द्वारा छात्रों को स्वच्छता बनाए रखने तथा अपने निवास स्थान से निकलने वाले गीले कचरे सुखे कचरे तथा हानिकारक कचरे के बारे में विस्तार से चर्चा की तथा उन्हे समझाईश दी कि सभी वे सभी अपने घरों से निकलने वाले कचरे को अलग-अलग पृथक कर नगर परिषद के कचरा वाहने में डाले तथा अन्य नागरिकों को भी इस बारे में जागरूक करें। इसके साथ ही श्रीमति परमिला ठाकुर द्वारा इस वर्ष स्कुलों मे होने वाले स्वच्छ सर्वेक्षण के प्रमुख बिंदुओं पर भी चर्चा की तथा अपने विद्यालय को स्वच्छ रखने हेतु प्रेरित किया। अंत में श्रीमति परमिला ठाकुर द्वारा सभी उपस्थित नागरिकों छात्रों को इस आयोजन को सफल बनाने के लिए अपना आभार प्रकट कर धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के अवसर पर नगर परिषद के समस्त कर्मचारी एवं समस्त शिक्षकगण उपस्थित थे ।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

मयंक अग्रवाल और प्रथम सिंह ने ठोक फिफ्टी,भारत का पलड़ा भारी

Duleep Trophy 2024 कप्तान मयंक अग्रवाल और प्रथम सिंह के अर्धशतकों की मदद से भारत-ए ने दलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को यहां अपनी दूसरी पारी में एक विकेट पर 115 रन बनाकर भारत-डी के खिलाफ अपना पलड़ा भारी कर दिया। भारत-ए ने अपनी पहली पारी में 290 रन बनाकर भारत-डी को 183 रन पर समेट दिया था।

अनंतपुर। कप्तान मयंक अग्रवाल और प्रथम सिंह के अर्धशतकों की मदद से भारत-ए ने दलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को यहां अपनी दूसरी पारी में एक विकेट पर 115 रन बनाकर भारत-डी के खिलाफ अपना पलड़ा भारी कर दिया। भारत-ए ने अपनी पहली पारी में 290 रन बनाकर भारत-डी को 183 रन पर समेट दिया था।

देवदत्त पडिक्कल ने 92 रन की पारी खेली

भारत-डी की तरफ से देवदत्त पडिक्कल ने 92 रन की पारी खेली। पहली पारी में 107 रन की बढ़त लेने वाले भारत-ए की कुल बढ़त 222 रन हो गई है। अग्रवाल ने 56 रन की पारी खेली और वह दिन की अंतिम गेंद पर आउट होकर पवेलियन लौटे। दिन का खेल समाप्त होने के समय प्रथम 59 रन बनाकर खेल रहे थे।

श्रेयस ने मयंक को किया आउट

अग्रवाल ने अपनी पारी में आठ चौके लगाए जबकि प्रथम अभी तक छह चौके लगा चुके हैं। राष्ट्रीय टीम में वापसी की कवायद में लगे अग्रवाल ने काम चलाऊ स्पिनर श्रेयस अय्यर की गेंद पर वापस गेंदबाज को कैच थमाया। इससे पहले भी भारत ए के गेंदबाजों ने दबदबा बना रखा था। उसकी तरफ से तेज गेंदबाज खलील अहमद और आकिब खान ने तीन-तीन विकेट लिए।

पडिक्कल ने डटकर किया सामना

भारत डी की तरफ से केवल पडिक्कल ही गेंदबाजों का डटकर सामना कर पाए। उन्होंने 124 गेंद की अपनी पारी में 15 चौके लगाए। इस साल के शुरू में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाला कर्नाटक का यह बल्लेबाज शतक पूरा नहीं कर सके और प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर विकेटकीपर कुमार कुशाग्र को आसान कैच दे बैठा। भारत-डी की तरफ से उनके अलावा हर्षित राणा ने 29 गेंद पर 31 रन बनाए।

ईश्वरन और जगदीशन डटे

दलीप ट्रॉफी के एक अन्य मैच में भारत-सी के विरुद्ध भारत-बी ने बिना विकेट खोए 124 रन बना लिए हैं। सलामी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन और नारायण जगदीशन ने अर्धशतक ठोक दिए हैं। इससे पहले भारत-सी की पारी 525 रन पर आलआउट हुई, जिसमें ईशान किशन, मानव सुथार, रुतुराज गायकवाड़, बाबा इंद्रजीत ने अच्छी पारियां खेलीं। भारत-बी के कप्तान ईश्वरन 51 और जगदीशन 67 रन बनाकर नाबाद हैं। हालांकि भारत-बी अभी भी 401 रन पीछे है।

क्यों होता है गणपति विर्सजन जरूर जानें इसके पीछे का कारण और नियम

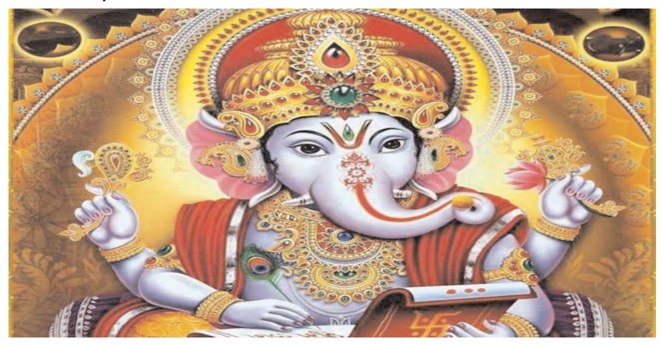

हिंदू धर्म में भगवान गणेश की पूजा बेहद कल्याणकारी मानी जाती है। ऐसा माना जाता है कि जो बप्पा बप्पा की पूजा विधिपूर्वक करते हैं उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। ऐसे में जो लोग अपने जीवन के कष्टों को दूर करना चाहते हैं उन्हें गणेश जी की आराधना जरूर करनी चाहिए। इसके साथ ही उनके लिए कठिन व्रत करना चाहिए।

नई दिल्ली। गणेश महोत्सव का पर्व प्रत्येक वर्ष पूर्ण भक्ति के साथ मनाया जाता है। यह पावन उत्सव भगवान गणेश के जन्म का प्रतीक है, जो गणपति विर्सजन के साथ समाप्त होता है। इस दौरान साधक गणेश जी की विभिन्न प्रकार से पूजा करते हैं और उनके लिए कठिन उपवास रखते हैं। ऐसा कहा जाता है कि इसके प्रभाव से व्यक्ति का जीवन भौतिक सुखों से परिपूर्ण हो जाता है।

वहीं, गणपति विर्सजन का समय करीब आ रहा है, तो लोगों के मन यह बात चल रही है कि आखिर बप्पा का विर्सजन क्यों किया जाता है? तो आइए जानते हैं।

क्या है गणपति विर्सजन की वजह

पौराणिक कथा और ग्रंथों के अनुसार, जब महर्षि वेदव्यास ने महाभारत को लिपिबद्ध करने के लिए भगवान गणेश का आह्वान किया था, जिसे लिखने से पूर्व बप्पा ने एक शर्त रखी थी कि मैं जब लिखना प्रारंभ करूंगा तो कलम को रोकूंगा नहीं, यदि कलम रुक गई तो लिखना बंद कर दूंगा। इसे वेद व्यास जी ने स्वीकार कर लिया था। इसके पश्चात व्यास जी ने गणेश भगवान को महाभारत सुनाना शुरू किया और गौरी पुत्र बिना रुके उसे लिखने लगे, जब 10 दिन के बाद महाभारत की कथा पूर्ण हुई,

तो वेदव्यास जी ने यह देखा कि बप्पा के शरीर का तापमान काफी ज्यादा बढ़ा हुआ है। उन्होंने उनके शरीर के तापमान को कम करने के लिए जल में डुबकी लगवाई। तभी से आज तक गणपित विसर्जन की प्रथा चली आ रही है।

गणेश विसर्जन नियम

गणेश विसर्जन से पूर्व भगवान गणेश की विधि अनुसार पूजा करें।

इसके बाद उन्हें मोदक और घर पर बनी मिठाई का भोग लगाएं।

गणेश जी के वैदिक मंत्रों का जाप कर उनकी आरती करें।

इसके बाद किसी पवित्र नदी या अगर किसी वजह से नदी तक जाने में असमर्थ हैं, तो साफ पात्र में शुद्ध पानी भरें। फिर पानी में गंगाजल, फूल, इत्र, मिलाएं और मंत्रों का उच्चारण करें।

विघ्नहर्ता के जयकारों के साथ पानी में धीरे-धीरे उन्हें विसर्जित करें।

फिर उस पानी को पीपल के वृक्ष के नीचे या गमले में डाल दें।

पूजा सामग्रियों को भी विसर्जित कर दें।

भारत की मजबूत बुनियाद को बताता है आर्थिक वृद्धि परिदृश्य

गवर्नर ने कहा कि केंद्रीय बैंक के अनुमानों से संकेत मिलता है कि मुद्रास्फीति घटकर 2024-25 में 4.5 प्रतिशत और 2025-26 में 4.1 प्रतिशत हो सकती है। यह 2023-24 में 5.4 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति लगातार दूसरे महीने अगस्त में आरबीआई के चार प्रतिशत के औसत लक्ष्य से नीचे 3.65 प्रतिशत पर रही।

नई दिल्ली। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को कहा कि भारत का आर्थिक वृद्धि परिदृश्य देश के वृहद आर्थिक बुनियाद की मजबूती को बताता है। उन्होंने कहा कि इसमें निजी उपभोग और निवेश जैसे घरेलू तत्व प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने ब्रेटन वुड्स कमेटी, सिंगापुर द्वारा आयोजित फ्यूचर ऑफ फाइनेंस फोरम 2024 में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था कोरोना महामारी के कारण आए गंभीर संकट से उबर गई और इसकी 2021-24 के दौरान औसत वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर आठ प्रतिशत से अधिक रही।

चालू वित्त वर्ष (2024-25) के लिए आरबीआई ने वास्तविक जीडीपी यानी आधार मूल्य पर वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। दास ने मुद्रास्फीति के बारे में कहा कि यह अप्रैल, 2022 के 7.8 प्रतिशत के उच्च स्तर से घटकर दो से छह प्रतिशत के संतोषजनक दायरे में आ गई है, लेकिन %हमें अभी भी एक दूरी तय करनी है और हम दूसरी तरफ देखने का जोखिम नहीं उठा सकते हैं।

गवर्नर ने कहा कि केंद्रीय बैंक के अनुमानों से संकेत मिलता है कि मुद्रास्फीति घटकर 2024-25 में 4.5 प्रतिशत और 2025-26 में 4.1 प्रतिशत हो सकती है। यह 2023-24 में 5.4 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा, %उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति लगातार दूसरे महीने अगस्त में आरबीआई के चार प्रतिशत के औसत लक्ष्य से नीचे 3.65 प्रतिशत पर रही। जुलाई में यह पांच साल के निचले स्तर 3.60 प्रतिशत पर थी।

मध्यम अवधि में सार्वजनिक ऋण का स्तर घट रहा

उन्होंने कहा, राजकोषीय मजबूती जारी है और मध्यम अवधि में सार्वजनिक ऋण का स्तर घट रहा है। कंपनियों के प्रदर्शन में सुधार हुआ है, जिससे उनके कर्ज में कमी आई है और लाभ के कारण मजबूत वृद्धि संभव हुई है। गवर्नर ने कहा कि आरबीआई द्वारा विनियमित बैंकों और गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों का बहीखाता भी मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा हमारे परीक्षणों से पता चलता है कि ये वित्तीय इकाइयां गंभीर तनाव परिदृश्यों में भी नियामकीय पूंजी और नकदी आवश्यकताओं को बनाए रखने में सक्षम होंगी। अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर जोर देता है भारत का दृष्टिकोण दास ने कहा कि वैश्विक प्रगति के बारे में भारत का दृष्टिकोण अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर जोर देता है जो लोगों पर केंद्रित, महत्वाकांक्षी, कार्रवाई-उन्मुख और निर्णायक है।

उन्होंने कहा कि साल 2023 में भारत की जी-20 अध्यक्षता और उसके बाद उसका निरंतर योगदान नयी दिल्ली के विश्व को एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य बनाने के दृष्टिकोण को बताता है। दास ने कहा, इन प्राथमिकताओं में 21वीं सदी की साझा वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के लिए बहुपक्षीय विकास बैंकों (विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष) को मजबूत करना, डिजिटल सार्वजनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से वित्तीय समावेश को बढ़ावा देना, निम्न और मध्यम आय वाले देशों के लिए ऋण का समाधान और भविष्य के शहरों का वित्तपोषण करना आदि शामिल है।

आपकी सेविंग पर महंगाई पर असर, 10 साल बाद कितनी होगी 1करोड़ रुपये की वैल्यू

Inflation Calculator महंगाई लगातार बढ़ रही है। ऐसे में इसका सीधा असर रुपये की वैल्यू पर पड़ रहा है। 10 साल पहले 1 लाख रुपये की कीमत थी वो आज घट गई है। इसी तरह आने वाले 10 साल के बाद करोड़ रुपये की वैल्यू भी कम हो जाएगी। हम आपको इस आर्टिकल में बताएंगे कि आने वाले 10 20 साल में करोड़ रुपये की वैल्यू कितनी रह जाएगी।

नई दिल्ली। महंगाई की मार कम होने का नाम नहीं ले रही है। ऐसे में भविष्य की चिंता को दूर करने के लिए हम जॉब के साथ निवेश करते हैं। लेकिन कभी आपने सोचा है कि आप जिस स्कीम में निवेश कर रहे हैं उसके मैच्योर होने के बाद उस राशि की वैल्यू कितनी रह जाएगी।

दरअसल, हम निवेश अपने फ्यूचर को सिक्योर करने के लिए करते हैं। अब ऐसे में कई निवेश स्कीम 10-15 साल के बाद मैच्योर होती है। 10-15 साल के बाद रिटर्न राशि तो पता होती है लेकिन उसकी वैल्यू आज की तुलना में कम हो जाती है। हम आपको बताएंगे कि 10, 20 साल के बाद करोड़ रुपये की वैल्यू कितनी रहने वाली है। लेकिन, इससे पहले जान लेते हैं कि आखिर रुपये की वैल्यू में समय के साथ गिरावट क्यों आती है।

क्यों कम होती है पैसों की वैल्यू

हर साल महंगाई बढ़ रही है। ऐसे में समय के साथ रुपये की वैल्यू कम हो जाती है। इसे ऐसे समझें कि आज सरसों का तेल 150 रुपये लीटर मिल रहा है। वहीं 5 साल पहले इसकी कीमत 70 रुपये थी। ऐसे में आगे के 10 साल बाद तेल की कीमत 300 रुपये लीटर हो सकती है। इस तरह बाकी चीजों जैसे सोने-चांदी, घर के दाम भी बढ़ रहे हैं। अब उपभोक्ता इन सभी सामानों को तो खरीदेंगे चाहें महंगाई कितनी भी हो और इस तरह रुपये का मूल्य कम होता जाता है।

उदाहरण के तौर पर 10 साल पहले 100 रुपये में जहां 3-4 सामान खरीदा जा सकता था वहीं, अब 100 रुपये में केवल एक सामान खरीद सकते हैं। ऐसे में महंगाई में तेजी को देखें तो शायद 10 साल के बाद 100 रुपये में कोई सामान न आए।

इस तरह 100 रुपये की वैल्यू कम हो सकती है।

10,20 साल के बाद कितनी होगी करोड़ रुपये की वैल्यू

अगर हम इन्फलेशन रेट 6 फीसदी मानते हैं तो 10 साल के बाद 1 करोड़ रुपये की वैल्यू करीब 55.84 लाख रुपये हो जाएगी। इसी तरह 20 साल के बाद 1 रुपये की कीमत लगभग 31 लाख रुपये हो जाएगी। इसका मतलब है कि हर दशक में करोड़ रुपये की वैल्यू में गिरावट आती रहेगी।

सेविंग पर पड़ता है महंगाई का असर

आज आपके सेविंग अकाउंट में 1 करोड़ रुपये का डिपॉजिट है, जिसे आप बड़ी बात मान रहे हैं।

लेकिन ऊपर बताए कैलकुलेशन के हिसाब से 10 साल के बाद इस 1 करोड़ रुपये की वैल्यू करीब 55 लाख रुपये हो जाएगी। अब जहां रुपये की वैल्यू कम हो रही है तो हो सकता है कि यह भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त न रहे।

उदाहरण के तौर पर आप 15 साल पहले जितने रुपये में किराने का सामान लाते थे, क्या आप उतने रुपये में आज उतना ही सामान ला सकते हैं। इसका जवाब है, नहीं। आज और 15 साल पहले के खर्चों का अंतर ही साफ बताता है कि महंगाई से पैसों की वैल्यू कम होती है। अब जब पैसों की वैल्यू कम हो रही है तो इसका असर सेविंग पर भी पड़ रहा है।

भारत मुझे माफ करे, मैं चयनकर्ता होता तो श्रेयस को नहीं चुनता

पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज का सनसनीखेज बयान

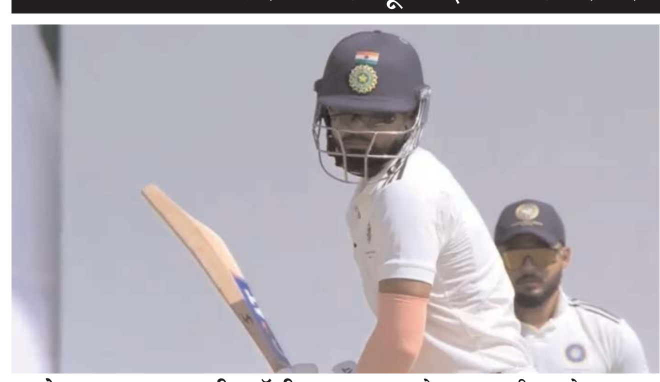

श्रेयस अय्यर का दलीप ट्रॉफी अभियान उतार-चढ़ाव भरा रहा है। उनके हालिया प्रदर्शन ने उन पर बढ़ते दबाव को और बढ़ा दिया है। पहले मैच में इंडिया सी से मिली निराशाजनक हार के बाद जहां उन्होंने पहली पारी में विफल होने के बाद दूसरी पारी में तेज अर्धशतक लगाया फिर अय्यर को बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज से नजरअंदाज कर दिया गया।

नई दिल्ली। घरेलू क्रिकेट में श्रेयस अय्यर के खराब फॉर्म पर पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी बासित अली अय्यर ने सवाल उठाए हैं। बासित ने श्रेयस अय्यर को भाग्यशाली बताते हुए कहा कि अय्यर में टेस्ट क्रिकेट के लिए भूख नहीं है। उन्होंने ने यह भी कहा कि रहाणे और चेतेश्वर पुजारा को दलीप ट्रॉफी में मौका नहीं मिला, लेकिन अय्यर इसका सम्मान नहीं कर रहे।

बासित ने कहा, एक क्रिकेटर के तौर पर मुझे उन्हें देखकर दुख होता है। अगर आप आउट हो रहे हैं, तो आपका ध्यान खेल पर नहीं है। खास तौर पर टेस्ट क्रिकेट में।

उन्होंने वर्ल्ड कप में दो शतक लगाए हैं, वह आईपीएल जीतने वाले कप्तान हैं, उन्हें यहां 100-200 रन बनाने चाहिए थे। अय्यर बहुत भाग्यशाली हैं कि रहाणे और पुजारा दलीप ट्रॉफी में नहीं खेल रहे हैं।

टेस्ट क्रिकेट की नहीं है भूख

बासित ने आगे कहा, अय्यर में टेस्ट क्रिकेट के लिए भूख नहीं है। वह सिर्फ बाउंड्री के भूखे हैं। आपको इसे प्राथमिकता देनी चाहिए। अगर वह सोच रहे हैं कि वर्ल्ड कप में दो शतक लगाने के बाद वह विराट कोहली जैसे हो गए हैं, तो नहीं, ऐसा नहीं होता। मैं उन भारतीयों से माफी चाहता हूं जो उन्हें पसंद करते हैं, लेकिन अगर मैं भारत का चयनकर्ता होता, तो अय्यर दलीप ट्रॉफी में बिल्कुल भी नहीं चुनता। वह खेल का सम्मान नहीं कर रहे हैं।

श्रेयस अय्यर की बढ़ गई हैं मुश्किलें

बता दें कि दलीप ट्रॉफी के दूसरे राउंड में श्रेयस अय्यर के पास अपनी साख साबित करने का अहम मौका था, लेकिन अपनी बल्लेबाजी से कुछ खास कमाल दिखाने के बजाय अय्यर पहली ही गेंद पर शून्य पर आउट हो गए। हैरानी की बात तो यह रही कि वह काला चश्मा पहनकर क्रीज पर उतरे थे। इसे उनकी उनकी और मुश्किलें बढ़ गई हैं।

पितरों के नाराज होने पर जीवन में घटने लगती हैं ये 5 बड़ी घटनाएं

पितृ पक्ष की अवधि बेहद खास मानी जाती है। इस अवधि में लोग अपने पूर्वजों का पिंडदान और तर्पण करते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस दौरान (Pitru Paksha 2024) पितृ तर्पण और पिंड दान करने सुख-शांति की प्राप्ति होती है। साथ ही कुंडली से पितृ दोष का प्रभाव कम होता है और पितरों की आत्मा को शांति मिलती है।

नई दिल्ली। सनातन धर्म में पितृ पक्ष को बहुत अहम माना जाता है। यह समय पितरों को समर्पित है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दौरान लोग अपने पूर्वजों का तर्पण और उनकी आत्मा की शांति के लिए कई प्रकार के अनुष्ठान करते हैं। इस अवधि (Pitru Paksha 2024) को श्राद्ध पक्ष के नाम से भी जाना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस बार पितृ पक्ष 17 सितंबर, 2024 से शुरू हो रहे हैं, तो आइए इस दौरान पितरों को भोजन अर्पित करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? उसके बारे में जानते हैं।

ये संकेत बताते हैं कि पितृ हैं नाराज

विवाह में देरी और संतान न होना।

खाने में बाल का निकलना।

सपने में पितरों को दुखी देखना।

बेवजह की चिंता और मन में डर बना रहना।

मांगलिक कार्यों में लगातार विघ्न पड़ना।

- ये 5 संकेत बताते हैं कि पितृ देव नाराज हैं। ऐसे में जानकार पुरोहितों से उनका तर्पण, पिंडदान और दान-पुण्य आदि करवाना चाहिए। अगर जिन लोगों को अपने पितरों की मृत्यु की तिथि का पता न हो, तो सर्वपितृ अमावस्या के दिन उनका श्राद्ध करें, जिससे उन्हें मोक्ष की प्राप्ति हो सके और आपके जीवन की सभी भय-बाधा दूर हो सके।

पितृ पक्ष के दौरान करें ये दान

पितृ पक्ष के दौरान चांदी की वस्तु, गुड़, काले तिल, अन्न दान, नमक, जूते और चप्पल आदि का दान करना चाहिए, क्योंकि ये बहुत अच्छा माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इन चीजों का दान करने से व्यक्ति आने वाली विपत्तियों से बच सकता है। साथ ही पितृ दोष से छुटकारा मिलता है। यही नहीं व्यक्ति का सोया हुआ भाग्य भी जाग उठता है।

कौन-सी स्कीम पर मिलेगा तगड़ा ब्याज, चेक करें हर योजना के इंटरेस्ट रेट

Post Office में कई तरह के इन्वेस्टमेंट स्कीम ऑफर करता है। इन सभी स्कीम में निवेश पर उच्च ब्याज के साथ कई और सुविधाएं मिलती है। पोस्ट ऑफिस स्कीम में मिल रहे ब्याज दर हर तिमाही संशोधित यानी अपडेट होते हैं। अगर आप भी पोस्ट ऑफिस स्कीम में निवेश करने का विचार कर रहे हैं तो आपको जान लेना चाहिए कि किस स्कीम पर कितना ब्याज मिल रहा है।

नई दिल्ली। निवेश के लिए पोस्ट ऑफिस स्कीम भी काफी अच्छा ऑप्शन है। पोस्ट ऑफिस कई तरह के इन्वेस्टमेंट स्कीम ऑफर करता है। ऐसे में निवेशकों के मन में सवाल होता है कि उन्हें किस योजना में निवेश करना चाहिए।

आपको बता दें कि पोस्ट ऑफिस स्कीम के ब्याज दर हर तिमाही अपडेट हैं। जी हां, हर तिमाही ब्याज दर में संशोधन होते हैं। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के दूसरी तिमाही यानी जुलाई से सितंबर के ब्याज दर भी पहले अपडेट हो गए थे।

सितंबर के अंत तक में अक्टूबर से दिसंबर के ब्याज दर की घोषणा की जाएगी।

अगर आप भी पोस्ट ऑफिस स्कीम में निवेश का सोच रहे हैं तो हम आपको सभी स्कीम के लेटेस्ट ब्याज दर बताएंगे। इससे आप जान पाएंगे कि आपको किस स्कीम में ज्यादा ब्याज मिल रहा है।

पोस्ट ऑफिस स्कीम के बारे में

पोस्ट ऑफिस में कई निवेश के स्कीम ऑफर किये जाते हैं। पोस्ट ऑफिस में जाकर आप फिक्स्ड डिपॉजिट, रिकरिंग डिपॉजिट, मंथली इनकम डिपॉजिट, सीनियर सिटिजन सेविंग स्कीम, सुकन्या समृद्धि योजना, नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट, किसान विकास पत्र, महिला सम्मान सेविंग सर्टिफिकेट जैसे स्मॉल सेविंग स्कीम में निवेश कर सकते हैं।

इन सभी स्कीम में 6.7 फीसदी से 8.2 फीसदी तक का ब्याज ऑफर किया जाता है। पोस्ट ऑफिस स्कीम में उच्च ब्याज दर के अलावा कई और लाभ मिलते हैं।

पोस्ट ऑफिस सेविंग अकाउंट

आप बैंक की तरह पोस्ट ऑफिस में भी सेविंग अकाउंट ओपन करवा सकते हैं। वर्तमान में चल रहे दूसरे तिमाही में पोस्ट ऑफिस सेविंग अकाउंट पर 4 फीसदी का ब्याज दे रही है।

पोस्ट ऑफिस फिक्स्ड डिपॉजिट स्कीम

अगर आप पोस्ट ऑफिस में फिक्स्ड डिपॉजिट करवाते हैं तो आपको उच्च ब्याज मिलता है। इस स्कीम में आपको 4 तरह के ब्याज मिलते हैं। जी हां, 1 साल में मैच्योर होने वाली स्कीम पर 6.9 फीसदी का ब्याज मिल रहा है। वहीं, 5 साल में मैच्योर होने वाली स्कीम पर 7.5 फीसदी का ब्याज दिया जा रहा है।

इसी तरह 2 साल वाले एफडी पर 7 फीसदी और 3 साल वाले एफडी पर 7.1 फीसदी का ब्याज मिल रहा है।

पोस्ट ऑफिस रिकरिंग डिपॉजिट स्कीम

पोस्ट ऑफिस की रिकरिंग डिपॉजिट स्कीम एक तरह से म्युचुअल फंड की एसआईपी है।

वैसे तो यह स्कीम 5 साल में मैच्योर हो जाती है, लेकिन आप इसे 5 साल के लिए आगे भी बढ़ा सकते हैं। इसका मतलब है कि इसमें निवेश समय को आगे बढ़ाने की सुविधा दी जाती है।

अभी इस स्कीम में 6.7 फीसदी का ब्याज ऑफर किया जा रहा है। यह ब्याज जुलाई-सितंबर 2024 के लिए लागू है।

पति-पत्नी में किसे मिलेगा योजना का लाभ, कब आएगी 18वीं किस्त की राशि

किसानों के आर्थिक लाभ देने के लिए शुरू की गई थी। इस योजना के तहत अभी तक 17 किस्त जारी हो गई है। करोड़ों किसान 18वीं किस्त का इंतजार कर रहे हैं। पीएम किसान योजना के नियमों के अनुसार परिवार में किसी एक सदस्य को ही किस्त की राशि मिलती है। इस आर्टिकल में जानते हैं कि पति-पत्नी में से किसे योजना का लाभ मिलेगा।

नई दिल्ली। भारत सरकार ने किसानों को आर्थिक लाभ देने के लिए पीएम किसान सम्मान निधि योजना शुरू की थी। इस योजना में किसानों को सालाना 6,000 रुपये की राशि मिलती है। यह राशि किसानों के अकाउंट में सीधा आता है। यह राशि किसानों के अकाउंट में किस्त में आती है।

एक साल में किसानों के अकाउंट में तीन किस्त आती है। इसका मतलब है कि चार महीने के बाद किसानों के अकाउंट में किस्त आती है। पीएम किसान योजना के नियम के हिसाब से योजना का लाभ परिवार के केवल एक ही सदस्य को मिलता है। ऐसे में सवाल है कि परिवार में पति-पत्नी में से किसे योजना का लाभ मिलता है। हम आपको इस सवाल का जवाब देंगे।

पति-पत्नी में से किसे मिलेगा लाभ

नियमों के अनुसार योजना का लाभ परिवार के सदस्यों में से किसी एक को मिलता है। ऐसे में पति-पत्नी में से उसे ही योजना का लाभ मिलेगा जिसके नाम लैंड रजिस्टर होगा। दरअसल, पीएम किसान का लाभ पाने के लिए जमीन का सत्यापन करवाना होगा।

कब आएगी अगली किस्त

जून 2024 में किसानों के अकाउंट में पीएम किसान की 17वीं किस्त आई थी। अब किसान 18वीं किस्त का इंतजार कर रहे हैं। पीएम किसान योजना की किस्त हर चार महीने के बाद जारी होती है। इस हिसाब से योजना की अगली किस्त अक्टूबर और नवंबर के बीच में आ सकती है। हालांकि, अभी तक पीएम किसान की 18वीं किस्त को लेकर कोई अधिकारिक जानकारी नहीं जारी हुई है।

ये काम है जरूरी

पीएम किसान योजना का लाभ केवल उन किसानों को मिलेगा जिन्होंने ई-केवाईसी किया है। दरअसल, पीएम किसान योजना के नियमों के मुताबिक योजना का लाभ केवल उन किसानों को ही मिलेगा जिनका ई-केवाईसी पूरा होगा। किसान पीएम किसान की वेबसाइट और ऐप पर जाकर आसानी से ई-केवाईसी करवा सकते हैं।

पितृ पक्ष में जरूर आजमाएं तुलसी से जुड़े ये उपाय, पितरों को होगी मोक्ष की प्राप्ति

नई दिल्ली। पितृ पक्ष की अवधि को पूर्वजों की कृपा प्राप्त करने के लिए शुभ माना जाता है। हर साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि से पितृ पक्ष का शुभारंभ होता है। वहीं, इसका समापन आश्विन माह की अमावस्या तिथि को होता है। पितृ पक्ष में लोग पितृ दोष से मुक्ति और पूर्वजों का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए कई तरह के उपाय करते हैं। माना जाता है तुलसी के उपाय करने से सभी समस्याएं दूर होती हैं। तुलसी के पौधे में धन की देवी मां लक्ष्मी की वास माना जाता है। तुलसी की रोजाना पूजा करने से सुख-समृद्धि और आय में वृद्धि होती है। आइए जानते हैं तुलसी के इन उपायों के बारे में।

तुलसी के उपाय

तुलसी के पत्ते को भोजन में शामिल करने से पवित्रता आती है और देवी-देवताओं के भोग में इसके पत्ते को शामिल किया जाता है। ऐसे में अगर आप पितृ पक्ष में पितरों के भोजन में तुलसी के पत्ते को शामिल करते हैं, तो ऐसा करने से जातक के सभी तरह के दोष मिट जाते हैं और पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

पितृ पक्ष में तुलसी के पौधे के पास एक कटोरी रखें और हथेली में गंगाजल लेकर इसे धीरे-धीरे कटोरी में डालें। साथ ही सच्चे मन से पितरों को याद करें। पितरों के नाम का 5 से 7 बार जप करें। इसके पश्चात इस जल का पूरे घर छिड़काव करें। मान्यता है कि इस उपाय को करने से घर में उत्पन्न नकारात्मक ऊर्जा से छुटकारा मिलता है। इस उपाय को विधिपूर्वक करने से साधक को शुभ फल की प्राप्ति होती है।

अगर आप जीवन में पैसों की कमी का सामना कर रहे हैं, तो तुलसी के पत्तों को एक लाल रंग के कपड़े में बांधे और इसे तिजोरी या पर्स में रखें। माना जाता है कि इस उपाय को करने से धन आगमन के रास्ते खुलने लगते हैं और आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलता है।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

बालों को झड़ने से रोकने के लिए अनानास आएगा आपके काम, ये हेयर मास्क दिखाएंगे कमाल

बालों की मजबूती और पोषण के लिए अनानास बेहद फायदेमंद (Pineapple for Hair) है। लेकिन आपको इसे खाना नहीं बल्कि बालों में लगाना है। अनानास बालों को जरूरी पोषक तत्व देता है जिससे वे लंबे और मुलायम बनते हैं। इस आर्टिकल में हम जानेंगे अनानास से बनाए जाने वाले हेयर मास्क और हेयर सीरम और इनके नियमित इस्तेमाल करने के फायदे।

नई दिल्ली। अनानास बालों के स्वास्थ्य के लिए एक बहुत ही फायदेमंद फल है। इसमें मौजूद ब्रोमेलैन सहित, अन्य एंजाइम अधिक मात्रा में पाया जाते हैं, जो प्रोटीन को तोड़कर बालों के स्कैल्प को एक्सफोलिएट करने और उनके बेहतर विकास में सहायक होते हैं। इसके अलावा, इसमें विटामिन-सी, मैंगनीज और कॉपर भी पाया जाता है, जो बालों को जड़ों से मजबूती प्रदान करने और झड़ने से रोकने में सहायक होते हैं। ऐसे में आप अपने घर पर ही इसे हेयर मास्क, हेयर सिरम, और हेयर स्क्रब के रूप में इस्तेमाल करके अपने बालों को जरूरी पोषण प्रदान कर सकते हैं। तो आइ जानते हैं इनके बारे में।

हेयर मास्क

अनानास और नारियल तेल मास्क

इसे बनाने के लिए एक बाउल में 1 कप अनानास के पेस्ट और इसमें दो चम्मच नारियल तेल को अच्छे से मिक्स करें और बालों पर लगाएं। 30 मिनट बाद बालों को वॉश करें।

फायदे- बालों को गहराई से मॉइश्चराइज करता है, जिससे बाल मुलायम और चमकदार बनते हैं।

अनानास और दही मास्क

एक कप अनानास के पेस्ट में आधा कप दही मिक्स करें, और बालों पर लगाएं। 30 मिनट बाद धो लें।

फायदे- ये हेयर मास्क बालों को हाइड्रेट करके उन्हें सॉफ्ट बनाता है।

हेयर सीरम अनानास और विटामिन-ई सीरम

आधे कप अनानास के रस में दो छोटे चम्मच विटामिन-ई तेल को मिलाएं और इसे अपने स्कैल्प पर लगाएं।

फायदे- विटामिन-ई बालों को पोषण देता है और अनानास के एंटीऑक्सीडेंट्स बालों की चमक बढ़ाते हैं।

अनानास और जोजोबा ऑयल सीरम

आधे कप अनानास के रस में, दो छोटे चम्मच जोजोबा ऑयल को अच्छे से मिक्स करें और बालों पर लगाएं और रातभर छोड़ दें।

फायदे- जोजोबा ऑयल बालों को हाइड्रेट करता है और अनानास बालों को पोषण देता है।

हेयर स्क्रब

अनानास और ब्राऊन शुगर स्क्रब

आधे कप अनानास के पेस्ट में 1/4 कप ब्राऊन शुगर को मिलाएं और स्कैल्प पर लगाएं। हल्के हाथों से मसाज करें और 10 मिनट बाद वॉश कर लें।

फायदे- ये स्कैल्प को एक्सफोलिएट करके डैंड्रफ और गंदगी को साफ करता है।

अनानास और ओटमील स्क्रब

आधे कप अनानास के पेस्ट में 1/4कप ओटमील मिलाएं और फिर इसे स्कैल्प पर लगाएं। हल्के हाथों से मसाज करें और 10 मिनट बाद वॉश कर लें।

फायदे- ये स्क्रब स्कैल्प को सॉफ्ट बनाकर इसकी सफाई करता है।

बच्चे के सही विकास के लिए जरूरी है विभिन्न पोषक तत्व, इन न्यूट्रिएंट्स को जरूर करें उनकी डाइट में शामिल

शरीर के सही विकास के लिए डाइट में सभी पोषक तत्वों को शामिल करना बहुत जरूरी हो जाता है। खासकर बच्चों के लिए यह और भी ज्यादा जरूरी होता है क्योंकि बचपन से ही सही विकास होने पर उन्हें आगे चलकर पोषण संबंधी समस्याएं होने का खतरा कम हो जाता है। ऐसे में इस आर्टिकल में जानेंगे कुछ ऐसे न्यूट्रिएंट्स के बारे में जिन्हें डाइट में शामिल करना जरूरी है।

नई दिल्ली। बच्चों को खाना खिलाना एक बहुत बड़ा टास्क होता है। आजकल की बदलती लाइफस्टाइल की वजह से पेरेंट्स के लिए हेल्दी ईटिंग प्रमोट करना मुश्किल हो जाता है, लेकिन एक बच्चे के समुचित विकास के लिए जरूरी है कि उनकी डाइट का पूरा ध्यान रखा जाए।

कुछ जागरूक पेरेंट्स तो इस बात का ध्यान देते हैं, लेकिन वहीं कुछ ऐसे भी हैं, जो सुविधा अनुसार बच्चे को चॉकलेट, मफिंस केक, कैंडी, चिप्स, कुकीज, डोनट्स आदि दे देते हैं। ऐसे में यहां ये समझना जरूरी है कि बच्चे इन सब के बिना आराम से रह सकते हैं, लेकिन सही विकास के लिए न्यूट्रिएंट्स के बिना नहीं रहा सकता है। शरीर के हर एक अंग की अलग जरूरत होती है।

मांसपेशियों के लिए प्रोटीन, हड्डियों के लिए कैल्शियम, आंखों के लिए विटामिन ए, इम्युनिटी के लिए विटामिन सी, ब्लड के लिए आयरन और ऐसे ही न जाने कितने सारे न्यूट्रिएंट्स शरीर के सही तरह से फंक्शनिंग करने के लिए जरूरी होते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे बच्चों के विकास के लिए कुछ जरूरी पोषक तत्वों के बारे में-

फेंकें नहीं, बल्कि इन 7 स्मार्ट तरीकों से दोबारा करें ग्रीन टी बैग्स का इस्तेमाल

ग्रीन टी पीना सेहत के लिए काफी फायदेमंद है। इसके लिए हम बाजार से ग्रीन टी बैग्स भी लेकर आते हैं जिसके इस्तेमाल के बाद हम उन्हें फेंक देते हैं। लेकिन आपको बता दें कि इन्हें फेकने की जगह आप इनका अन्य कामों में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इस आर्टिकल में हम इसी बारे में जानने की कोशिश करेंगे।

नई दिल्ली। Green Tea Bag Uses: ग्रीन टी कैमेलिया साइनेंसिस नामक पौधे की पत्तियों को सूखाकर बनाई जाती है। इसकी सूखी पत्तियों और कलियों का उपयोग कई अलग तरह की चाय को बनाने में किया जाता है। जिसमें उलोंग और काली चाय शामिल हैं। ये एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती है, जो शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाती है और उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करती है।

इसके नियमित सेवन करने से मेटाबॉलिज्म को भी बढ़ावा मिलता है और वेट लॉस करने में मदद मिलती है। इसके साथ ही, मानसिक स्वास्थ्य को मजबूती प्रदान करने और हार्ट हेल्थ को बनाए रखने में मदद मिलती है। ग्रीन टी की इन्हीं खूबियों के कारण आज के समय में ज्यादातर लोग इसका सेवन करने लगे हैं, जिसके लिए अक्सर लोग टी बैग वाले ग्रीन टी का उपयोग करते हैं। लेकिन टी बैग को इस्तेमाल करने के बाद भी इसमें काफी मात्रा में ग्रीन टी बची रह जाती है, जिन्हें फेंकने की जगह आप कुछ कामों में दोबारा इस्तेमाल कर सकते हैं। इसी बारे में हम इस आर्टिकल में जानेंगे। आइए जानें।

ग्रीन टी बैग को दोबारा इस्तेमाल करने के स्मार्ट तरीके

फेस पैक- ग्रीन टी बैग को ठंडा करके चेहरे पर लगाएं। यह त्वचा को फ्रेशनेस और चमक प्रदान करता है। साथ ही, सूजन और जलन को कम करता है।

आंखों की देखभाल- टी बैग को फ्रिज में ठंडा करें और थकी या सूजी हुई आंखों पर रखें। इससे डार्क सर्कल्स और पफीनेस कम होती है।

पौधों की खाद- इस्तेमाल किए गए ग्रीन टी बैग्स को पौधों की मिट्टी में मिलाएं। यह मिट्टी की उर्वरक क्षमता को बढ़ाता है और पौधों को पोषण प्रदान करता है।

फ्रिज की दुर्गंध दूर करें- ग्रीन टी बैग्स को फ्रिज में रखने से यह दुर्गंध को सोख लेता है, जिससे फ्रिज से बदबू नहीं आती।

बालों की देखभाल- ग्रीन टी बैग्स को पानी में उबालकर उससे बाल धोएं। यह बालों को चमकदार और मजबूत बनाता है, साथ ही डैंड्रफ को भी कम करता है।

पैरों की बदबू हटाए- ग्रीन टी बैग्स को गर्म पानी में डालकर पैरों को उसमें भिगोएं। यह बदबू को दूर करता है और पैरों को आराम पहुंचाता है।

कीड़ों से बचाव- इस्तेमाल किए गए ग्रीन टी बैग्स को घर के कोनों में रखें। इसकी गंध मच्छरों और कीड़ों को दूर रखने में मदद करती है।

शनिवार को गोट के कलेक्शन में आया उछाल, डबल सेंचुरी बनाने के बेहद नजदीक

स्त्री 2 के सामने साउथ सुपरस्टार की थलापति विजय की फिल्म गोट का चार्म हिंदी बॉक्स ऑफिस पर भले ही न चल पा रहा हो लेकिन साउथ में ये मूवी कमाल कर रही है। तमिल भाषा में बनी ये साई-फाई फिल्म 100 करोड़ के बाद अब घरेलू बॉक्स ऑफिस पर जल्द ही 200 करोड़ के क्लब में शामिल होने के लिए तैयार है।

नई दिल्ली। बॉलीवुड में जहां इस वक्त स्त्री 2 राज कर रही है, वहीं अब साउथ बॉक्स ऑफिस पर थलापति विजय की फिल्म गोट ने कब्जा कर लिया है। 5 सितंबर 2024 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस मूवी को पैन इंडिया रिलीज किया गया है। वेंकट प्रभु के निर्देशन में बनी साइंस फिक्शन एक्शन फिल्म गोट के क्रेज को देखते हुए मेकर्स ने इसे पैन इंडिया रिलीज किया है।

ओरिजिनल भाषा तमिल के अलावा विजय की फिल्म हिंदी और तेलुगु में रिलीज हुई है। ओपनिंग डे पर इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 39.15 करोड़ से तमिल में, 3 करोड़ से तेलुगु में और 1.85 करोड़ से खाता खोला था। अब महज 9 दिनों के अंदर ही मूवी डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ कमाने के बेहद नजदीक पहुंच चुकी है।

9 दिनों में गोट के खाते में आए इतने करोड़

शुक्रवार के बाद थलापति विजय की फिल्म ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइमके शनिवार के आंकड़े भी सब सामने आ गए, जिनमें तमिल भाषा में तो कलेक्शन में उछाल देखने को मिला, लेकिन हिंदी और तेलुगु में ये फिल्म सुस्त रही।

सैकनलिक.कॉम की रिपोर्ट्स के मुताबिक, शुक्रवार को तमिल में तकरीबन फिल्म की कमाई 5.6 करोड़ के आसपास थी, जबकि शनिवार को गोट के खाते में सिंगल डे पर 6.48 करोड़ आए, वहीं तेलुगु में फिल्म ने रिलीज के नौवें दिन 10 लाख और हिंदी भाषा में 36 लाख के आसपास कमाई की। सभी भाषाओं को मिलाकर इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर महज 9 दिनों के अंदर ही 184.94 करोड़ का नेट कलेक्शन कर लिया है और अब 200 करोड़ की तरफ अपने कदम बढ़ा दिए हैं।

हिंदी भाषा में स्त्री के सामने गोट का नहीं चला बस

थलापति विजय की फैन फॉलोइंग सिर्फ साउथ सिनेमा तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी फिल्मों को हिंदी ऑडियंस भी बड़े चाव से देखती है। हालांकि, इस वक्त स्त्री के सामने उनका स्टारडम भी फीका पड़ता दिखाई दिया।

हिंदी में फिल्म सिर्फ पहले वीकेंड तक ही करोड़ों में कमाई कर पाई, उसके बाद इसका कलेक्शन सीधा लाखों में आ लुढ़का। बहरहाल, अगर सभी भाषाओं को ध्यान में रखा जाए, तो गोट बॉक्स ऑफिस पर काफी स्पीड से दौड़ रही है। इंडियन बॉक्स ऑफिस के मुकाबले विजय की फिल्म की रफ्तार दुनियाभर में काफी तेज है। ये मूवी दुनियाभर में अब तक 340.5 करोड़ की कमाई कर चुकी है।

बोरिंग लौकी में स्वाद भर देंगे इसके टेस्टी कटलेट्स, इस आसान रेसिपी से करेंगे तैयार तो हर कोई करेगा तारीफ

बरसात के मौसम में अक्सर कुछ न कुछ चटपटा और तला-भुना खाने का मन करता है लेकिन एक ही तरह पकौड़े खा-खाकर मन अक्सर ऊब जाता है। ऐसे में लौकी के कटलेट एक बढ़िया ऑप्शन साबित होगा। हालांकि लौकी का नाम सुनते की लोग मुंह बनाने लगते हैं। ऐसे में यह कटलेट एक बढ़िया तरीका है लौकी नापसंद करे वाले लोगों को इसे खिलाने का।

नई दिल्ली। पर्वतीय पाककला अपने आप में अनूठी है। भादौ में मौसम के बदलते मिजाज के साथ रेसिपी में बदलाव यहां की भोजनशैली की खासियत है। स्वाद के साथ पौष्टिकता पर फोकस भी इसे खास बना देती है। ऐसे में आप हम आपको बताते हैं इस सीजन में एकदम सख्त हो चुकी लौकी के कटलेट्स के बारे में। ये मौसम लौकी, कद्दू आदि का ही है।

इन दिनों लौकी तैयार होकर सख्त भी होने लगी है।

ऐसे में लौकी से तैयार विविध डिश तैयार करने का सीजन भी आ गया है। मगर गोल पकौड़ीनुमा कटलेट्स का कोई जवाब नहीं। लौकी के कटलेट्स बनाने में प्रयुक्त अन्य खाद्य सामग्रियां भी औषधीय गुणों से भरपूर रहती हैं। इसलिए ग्रामीण भोजनशैली में शामिल लौकी की यह डिश अब नगरों में भी खासी पसंद की जाने लगी है।

लौकी के फायदे

लौकी में फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा विटामिन- बी, सी, ए, के व विटामिन ई भी प्रचुर मात्रा में मिलता है। वहीं, लौकी में आयरन, मैग्निशियम आदि पोषक तत्व की भी अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। लौकी के सेवन से दिल दुरुस्त रहता है। विशेषज्ञों के अनुसार लौकी में हार्ट डिजीज दूर करने की क्षमता पाई जाती है।

यही नहीं पाचन क्रिया को मजबूत रख लौकी डायबिटीज और कैंसर जैसी घातक बीमारी में भी मददगार साबित होती है। लौकी में एंटी आक्सीडेंट गुण होने के कारण यह मानव शरीर में कालेस्ट्राल की मात्रा को संतुलित रखने में सहायक होती है।

ध्यान देने वाली बात यह है कि सुबह उठकर खाली पेट लौकी का जूस पीना बड़ा फायदेमंद माना गया है। इससे पेट में एसिडिटी, कब्ज ही नहीं गैस की समस्या से भी छुटकारा मिलता है।

ऐसे करें तैयार

लौकी को कद्दूकस कर इसका पानी निथार कर बड़े कटोरे में रख दें।

हल्का बेसन, हल्दी, आजवाइन, भुना जीरा व सेंधा नमक मिलाकर मिक्स कर लें। स्वाद बढ़ाने के लिए करी पत्ता, हरा धनिया और मिर्च मिला दें।

फिर कद्दूकस की गई लौकी और बेसन को गूंथ कर छोटे-छोटे गोल पकौड़ी जैसा आकार दें।

अब कढ़ाई में सरसों या रिफाइंड का तेल गरम कर समान आंच पर इन बॉल्स को तलें।

गहरा लाल रंग आने पर लौकी के गरमागरम कटलेट्स को पुदीना अमचूर मिक्स चटनी के साथ परोसें।

बप्पा के पसंदीदा मोदक को दें चॉकलेट का ट्विस्ट, यहां जानें इसे बनाने की रेसिपी

गणेशोत्सव पर गणपति बप्पा के लिए तरह-तरह के पकवान बनाए जाते हैं लेकिन इनमें मोदक का खास महत्व होता है। मोदक गणपति बप्पा का पसंदीदा भोग है। मोदक भी कई अलग-अलग फ्लेवर के बनाए जाते हैं। इनमें चॉकलेट मोदक काफी टेस्टी होते हैं। इन्हें बनाना भी एकदम आसान होता है और ये तुरंत बनकर तैयार हो जाते हैं। आइए जानें चॉकलेट मोदक बनाने की आसान रेसिपी।

नई दिल्ली। गणेशोत्सव की धूम चारों ओर देखने को मिल रही है। गणपति बप्पा की पूजा-अर्चना के लिए जगह-जगह गणेश पंडाल लगाए गए हैं। इन पंडालों में गणपति की मूर्ति स्थापित की गई है, जिसके दर्शन के लिए भक्तों का तांता लगा रहता है। कई लोग घर पर भी बप्पा की मूर्ति लाते हैं और उनका बड़ा भव्य स्वागत करते हैं। बप्पा को खुश करने के लिए भक्तजन उन्हें तरह-तरह के भोग लगाते हैं, जिसमें सबसे ज्यादा महत्व मोदक का होता है।

वैसे तो पारंपरिक मोदक चावल के आटे और नारियल से बनाया जाता है, लेकिन आप चाहें, तो इस बार गणपति के लिए चॉकलेट के मोदक भी बना सकते हैं। चॉकलेट के मोदक बनाना बेहद आसान होता है। इसे इस आर्टिकल में बनाई आसान रेसिपी से आसानी से तैयार किया जा सकता है। आपको बता दें कि इन मोदकों का स्वाद भी लाजवाब होता है। आइए जानें इसे बनाने की रेसिपी।

सामग्री

250 ग्राम डार्क चॉकलेट चिप्स
50 ग्राम बटरस्कॉच चोको चिप्स
50 ग्राम मिश्रित सूखे मेवे
20 ग्राम फ्रोजन फल

विधि

सबसे पहले एक माइक्रोवेव-सुरक्षित कटोरा लें और इसमें डार्क चॉकलेट डालें। कटोरे को माइक्रोवेव में रखें और चॉकलेट को तब तक पिघलाएं जब तक वह चिकनी और चमकदार न हो जाए।

जब चॉकलेट पिघल जाए, तो इसे माइक्रोवेव से निकाल लें। इसके बाद चॉकलेट में किशमिश, बटरस्कॉच चोको चिप्स, सूखे मेवे और फ्रोजन फल डालें और सभी चीजों को अच्छी तरह मिला लें।

अब मोदक के सांचों को थोड़ा-सा तेल लगाकर चिकना कर लें और उनमें चॉकलेट का मिश्रण भर दें। सांचों को फ्रिज में रखें और मोदक को 20 मिनट के लिए सेट होने दें। इन स्वादिष्ट भोगों को डिमोल्ड करें और आनंद लें।

न्यूट्रिशनिस्ट, डायटीशियन और स्वास्थ्य से जुड़े प्रतिष्ठित लोग करेंगे आपका ज्ञानवर्धन

सेहतमंद रहने के लिए सही खानपान के साथ-साथ पोषण की जानकारी होना भी बेहद जरूरी है। हालांकि अभी भी कई लोगों में इसकी कमी है जिसकी वजह से वह लगातार अनहेल्दी डाइट फॉलो कर रहे हैं जो सेहत को नुकसान पहुंचाने लगा है। ऐसे में लोगों को लोगों में पोषण और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए Poshan Summit का दूसरा संस्करण जल्द आ रहा है।

नई दिल्ली। भारत में अभी भी संतुलित आहार के बारे में जागरूकता की कमी है। बड़ी संख्या में लोग बिना जानकारी के अनहेल्दी फूड का सेवन कर रहे हैं, जिससे इम्यून सिस्टम कमजोर हो रहा है और शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। इसके अलावा, क्रॉनिक बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है। इन समस्याओं से निजात पाने के लिए यह जरूरी है कि हर व्यक्ति हेल्दी और अनहेल्दी फूड के बारे में सजग हो जाए और पोषण के महत्व को समझे।

लोगों में पोषण और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए जागरण न्यू मीडिया का हेल्थ विंग, का दूसरा संस्करण जल्द लेकर आ रहा है। यह ऐसा इवेंट है, जहां स्वास्थ्य के विशेषज्ञों के माध्यम से पोषण के महत्व, फूड ट्रेंड, विभिन्न आयु समूहों में (विशेषकर बच्चों में) इसके प्रभाव, डेटा, रिसर्च आदि पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इस समारोह में न्यूट्रिशनिस्ट, डायटीशियन और स्वास्थ्य से जुड़े प्रतिष्ठित लोग उपस्थित होंगे।

Poshan Summit का पहला संस्करण सफल रहा था। यह 2023 के सितंबर महीने में आयोजित किया गया था। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी मार्लेना को आमंत्रित किया गया था। इस दौरान कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई, जैसे कि डाइट और बीमारियां मानव स्वास्थ्य से कैसे जुड़ी हैं, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए पोषण की भूमिका, महिलाओं में पोषण की कमी को कैसे दूर किया जाए और आहार में बदलाव के माध्यम से वजन घटाने के लक्ष्य को कैसे पूरा किया जा सकता है। इन सभी मुद्दों पर प्रसिद्ध स्पीकर्स ने अपनी राय रखी और दर्शकों का ज्ञानवर्धन किया।

Poshan Summit 2024 की तैयारी पूरी हो चुकी है। इस समारोह में 20 से ज्यादा प्रमुख स्पीकर्स विभिन्न सेशन्स में अपनी राय देंगे। इसके अलावा, समारोह में 200 से ज्यादा सीनियर एग्जीक्यूटिव्स भी भाग लेंगे। करीब 6 घंटे तक चलने वाला यह इवेंट ज्ञान से भरपूर रहने वाला है। अगर आप पोषण और समग्र स्वास्थ्य के बारे में जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं, तो यह इवेंट आपके लिए है।

तुम्बाड़ 2-प्रलय आएगा 6 साल बाद तुम्बाड़ में हस्तर का किरदार फिर मचाएगा दहशत, री-रिलीज के दौरान सीक्वल पर मुहर

हॉरर फिल्म तुम्बाड़ को 6 साल बाद दोबारा सिनेमाघरों में रिलीज किया गया। सोहम शाह स्टारर फिल्म की री-रिलीज के बाद एक और एलान ने दर्शकों को खुशी से उत्साहित कर दिया है। दरअसल तुम्बाड़ की री-रिलीज के वक्त फिल्म के सीक्वल का एलान कर दिया गया है। एक अनाउंसमेंट वीडियो के साथ सिनेमाघरों में तुम्बाड़ 2 की जानकारी दी गई

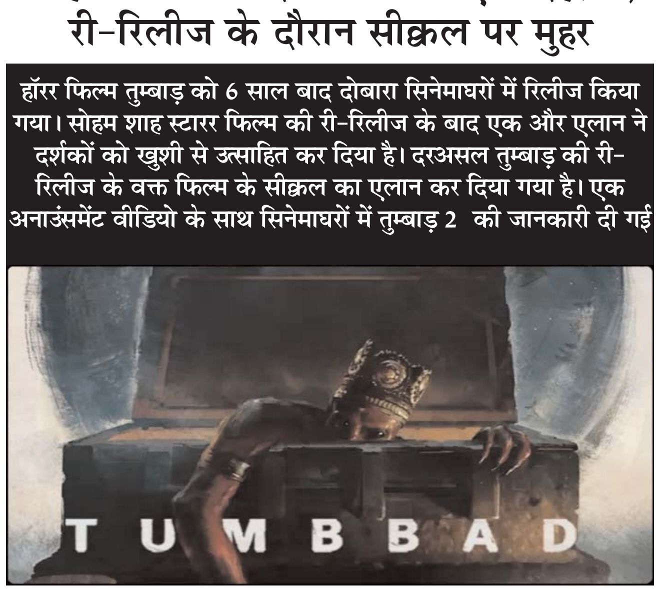

नई दिल्ली। सिनेमा की क्लासिक कल्ट मूवीज में गिनी जाने वाली तुम्बाड़ एक बार फिर चर्चा में आ गई है। दोबारा रिलीज की अनाउंसमेंट के बाद से ही फिल्म को लेकर बज बना हुआ था। अब फिल्म के सीक्वल पर भी मुहर लग गई है। जी हां, दर्शकों के बीच दहशत फैलाने वाली फिल्म तुम्बाड़ का सीक्वल (Tumbbad 2) आ रहा है। फिल्म की अनाउंसमेंट वीडियो ने दर्शकों के अंदर डर पैदा कर दिया है। राही अनिल बर्वे के निर्देशन में बनी तुम्बाड़ नॉन-बिग स्टार्स से सजी फिल्म है। इस फिल्म में सोहम शाह, रुद्रा सोनी, मोहम्मद समद, ज्योती माल्शे, हर्ष के, कैमरून एंडरसन और दीपक दामले ने अहम भूमिका निभाई है।

सिनेमाघरों में दोबारा आई तुम्बाड़

साल 2018 में राही अनिल तुम्बाड़ लेकर आए थे। फिल्म की कहानी और सीन्स इतने दमदार थे कि इसने दर्शकों के दिल और दिमाग पर अमिट छाप छोड़ दी थी। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच एक्साइटमेंट आज भी कम नहीं हुआ है। इसी वजह से सिनेमाघरों में फिल्म को दोबारा उतारा गया है।

शाहरुख से युद्ध करेंगे रणबीर- आलिया और विक्की लव एंड वॉर की रिलीज डेट आउट

संजय लीला भंसाली की मच अवेटेड फिल्म लव एंड वॉर की रिलीज डेट सामने आ गई है। फिल्म में आलिया भट्ट रणबीर कपूर और विक्की कौशल लीड रोल में हैं। बड़े पर्दे पर इस तिकड़ी को एक साथ देखने के लिए फैंस एक्साइटेड हैं। मूवी के लिए आपको थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा।

नई दिल्ली। संजय लीला भंसाली की आगामी फिल्म लव एंड वॉर की जब से अनाउंसमेंट हुई है, तभी से इस फिल्म को लेकर बज बना हुआ है। वजह फिल्म की स्टार कास्ट है। रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आएंगे।

यूं तो विक्की कौशल ने आलिया भट्ट और रणबीर कपूर दोनों के साथ ही काम किया है। वह राजी में आलिया के साथ लीड रोल में नजर आ चुके हैं, वहीं संजू मूवी में वह रणबीर के जिगरी यार बने थे। हालांकि, पहली बार इस तिकड़ी को एक साथ एक फिल्म में देखा जाएगा। उनके चाहने वाले उन्हें पर्दे पर देखने के लिए बेताब हैं। अब मूवी की रिलीज डेट भी सामने आ गई है।

लव एंड वॉर की रिलीज डेट फिक्स

संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बन रही फिल्म लव एंड वॉर को सिनेमाघरों में देखने के लिए दर्शकों को थोड़ा इंतजार करना होगा, क्योंकि फिल्म न इस साल और ना ही अगले साल रिलीज होगी। फिल्म की रिलीज डेट 2026 में फिक्स हुई है। फिल्म क्रिटिक तरण आदर्श के मुताबिक, भंसाली की यह मच अवेटेड फिल्म 20 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

शाम के स्नैक्स के लिए मुरमुरे से बनी डिशेज एक बार जरूर करें ट्राई, खाकर सभी का दिल हो जाएगा खुश

मुरमुरे तो आप सभी ने जरूर खाए होंगे। इससे बनने वाली भेलपुरी काफी मशहूर है जिसे सभी पसंद करते हैं। लेकिन आप इससे और भी कई तरह के स्नैक्स बना सकते हैं जो खाने में भी काफी मजेदार होते हैं। इन स्नैक्स को आप आसानी से घर पर बना सकते हैं और अपने दोस्तों या परिवार के साथ इनका आनंद ले सकते हैं।

नई दिल्ली। हमारे देश में खाने की खूब वैरायटी मिलती है। यहां हर राज्य की कुछ डिशेज इतनी फेमस होती है कि लोग इसे दूर-दूर से खाने के लिए आते हैं। बचपन में आपने मुरमुरा खूब खाया होगा। इससे बनने वाली भेल तो सभी की फेवरेट होती है। बच्चों से लेकर बढ़ों का भी भेल बहुत पसंद होती है। इसके चटपटा स्वाद लगभग हर किसी को पसंद आता है। मुरमुरा यानी पफ राइस से कई सारी डिशेज बनाई जाती है, जो खाने में बेहद टेस्टी होती है। मुरमुरे को भेल में तो आपने खाया होगा, लोकिन इस बार आप मुरमुरे को आप कुछ अलग तरह से बनाएं और ये सभी को खूब पसंद आएंगे। तो आइए जानते हैं मुरमुरे से बनने वाली रेसिपीज के बारे में।

मुरमुरा पुलाव

सामग्री-

मुरमुरा- 2 कप
पत्तागोभी- 1/2 कप (कटी हुई)
गाजर-1/2 कप (कटी हुई)
हरी मटर- 1/2 कप
प्याज- 1/2 कप (बारीक कटा हुआ)
जीरा- 1/2 टीस्पून
हल्दी पाउडर- 1/2 टीस्पून
मिर्च पाउडर- 1/2 टीस्पून
गरम मसाला- 1/2 टीस्पून
नमक स्वादानुसार
तेल- 2 टेबलस्पून

विधि-

मुरमुरा पुलाव बनाने के लिए सबसे पहले एक कढ़ाई में तेल गरम करें और इसके बाद जीरा डालें। अब प्याज डालें और इसे भूनें। अब इसमें पत्तागोभी, गाजर और हरी मटर डालें और पकाएं। सब्जियां पक जाने पर इसमें हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक डाल लें। अब मुरमुरा डालें और अच्छी तरह से मिला लें। अंत में गरम मसाला डालें और एक मिनट भूनें। गरमागरम परोसें।

मुरमुरा रोल्स

सामग्री-

मुरमुरा 2 कप
आलू 1 कप उबले हुए (मसले हुए)
हरी धनिया- 1/2 कप कटी हुई
चने की दाल- 1/2 कप (भुनी हुई)
गाजर- 1/4 कप कद्दूकस किया हुआ
पनीर- 1/4 कप कद्दूकस किया हुआ
जीरा पाउडर- 1/2 टीस्पून
चाट मसाला- 1/2 टीस्पून
नमक स्वादानुसार
तेल (तलने के लिए)

विधि-

मुरमुरा रोल्स बनाने के लिए सबसे पहले एक बाउल में उबले हुए आलू, हरी धनिया, चने की दाल, गाजर, पनीर, जीरा पाउडर, चाट मसाला और नमक को अच्छे से मिला लें। अब इसमें मुरमुरा को भी डालकर अच्छे से मिला लें। इस मिश्रण को रोटी या मैदे की रोटी में भरकर रोल्स की तरह बनाकर तलें या बेक करें और गरमागरम परोसें।

मुरमुरा पनीर टिक्का

सामग्री-

मुरमुरा- 2 कप
पनीर 1 कप (क्यूब्स में कटा हुआ)
दही- 1/2 कप
तंदूरी मसाला 1 टीस्पून
लाल मिर्च पाउडर-1/2 टीस्पून
हल्दी पाउडर 1/2 टीस्पून
नमक स्वादानुसार
तेल- 1 टेबलस्पून

विधि-

मुरमुरा पनीर टिक्का बनाने के लिए सबसे पहले दही में तंदूरी मसाला, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर और नमक डालें। अब पनीर के क्यूब्स को इस मिश्रण में डुबोएं और कुछ घंटों के लिए मैरीनेट करें। एक कढ़ाई में तेल गरम करें और पनीर के क्यूब्स को मुरमुरे के पाउडर में लपेटकर तल लें।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 70664886

शहर सहित अंचल में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पूर्ण विधिविधान से हुवा बप्पा का विसर्जन, भक्तों ने नम आंखों से दी विध्नहर्ता को विदाई

नीमच। 10 दिवसीय गणेश उत्सव के बाद आज मंगलवार को अनंत चतुर्दशी के अवसर पर शहर सहित अंचल के विभिन्न जलाशयो में गणपति बप्पा का विसर्जन पूर्ण विधि विधान से कड़ी सुरक्षा के बीच किया गया। जहां भक्तों द्वारा विध्नहर्ता भगवान श्री गणेश की पूजा अर्चना कर नम आंखों से विदाई दी गई।नपा राजस्व अधिकारी टेकचंद बुनकर ने जानकारी देते हुवे बताया कि नगरपालिका परिषद नीमच द्वारा अनन्त चतुर्दशी पर गणेश प्रतिमा के विसर्जन हेतु नपाध्यक्ष श्रीमती स्वाति चैपड़ा के मार्गदर्शन एवं सीएमओ महेन्द्र वशिष्ठ के नेतृत्व में दलों का गठन कर शहर में विभिन्न स्थानों पर आयोजित 10 दिवसीय गणेश उत्सव हेतु बड़ी गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए जाजूसागर बांध के अतिरिक्त नीमच शहर में 2 स्थानों पर गणेश प्रतिमा के विसर्जन की व्यवस्था की गई है। भक्तों के घरों व संस?थानों में स्थापित छोटी प्रतिमाओं के विसर्जन हेतु शहर में 6 स्थानों पर प्रतिमा संग्रहण केन्द्र बनाये गये है,जहां तैनात नपा कर्मचारी भक्तों से प्रतिमा प्राप्त कर नपा के वाहन द्वारा गणेश प्रतिमा विसर्जन वाले स्थान पर पहुंचाकर प्रतिमा का विधिवत विसर्जन किया जा रहा है।

गणपतिजी की प्रतिमाओं के विसर्जन हेतु संजीवनी कॉलोनी तालाब व शिवघाट के यहां तथा जाजूसागर बांध पर व्यवस्था की गई है एवं नीमच शहर में छोटी गणेश प्रतिमाओं हेतु पीपली चैक नीमच सिटी, नीमच सिटी मठ के पास, भारतमाता चैराहा (फोरजीरो), राजा टोडरमल चैराहा हुड़को (बंसल चैराहा), पाटीदार छात्रावास ग्वालटोली व गणेश मंदिर, स्टेशन रोड पर संग्रहण केन्द्र बनाये गये हैं, जहां नपा कर्मचारी भक्तों से मूर्ति प्राप्त कर विसर्जन स्थल पहुचा रहे है।गणेश प्रतिमा विसर्जन स्थल पर 17 व 18 सितम्बर तथा गणेश प्रतिमा संग्रहण केन्द्र पर नपा कर्मचारी 17 सितम्बर मंगलवार तैनात रहें।सुरक्षा की दृष्टि से विसर्जन स्थल पर नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारी गोताखोर पुलिस व्यवस्था एसडीआरएफ की टीम मौजूद है जलाशय के पास किसी भी आम व्यक्ति को जाने नहीं दिया जा रहा है विसर्जन के लिए आने वाली प्रतिमाओं को पूजा अर्चना के बाद नगर पालिका के कर्मचारी ही भक्तों से प्राप्त कर कुंड में पूर्ण विधि विधान से विसर्जित कर रहे हैं ताकि संभावित दुर्घटना से बचा जा सके।

SAVE WATER
SAVE TREE

सामुहिक अनन्त चतुर्दशी उद्यापन में 26जोड़ो ने भाग लिया

कुकडेश्वर। श्री सूर्यवंशी कुमरावत तमोली समाज के द्वारा अनन्त चतुर्दशी उद्यापन का सामुहिक आयोजन सूर्यवंशी कुमरावत तमोली समाज धर्मशाला में आयोजित किया गया अनन्त चतुर्दशी उद्यापन समिति के तत्वाधान में 26 जोड़ों ने भगवान अनन्त देव की पूजा आरती कर उद्यापन में भाग लिया अनन्त चतुर्दशी उद्यापन के शुभ अवसर पर रात्रि को भगवान लक्ष्मीनाथ मंदिर परिसर में अनन्त भगवान की कथा का आयोजन किया गया एवं 17 सितंबर मंगलवार को प्रातः 9.00 बजे से 26 कुंडी यज्ञ वेदी बनाकर भगवान की पूजा अर्चना कर पंडित द्वारा विधि विधान पूर्वक हवन करवाया गया एवं महाआरती के साथ अनन्त चतुर्दशी उद्यापन आयोजित किया गया ।

जिसमें समस्त सूर्यवंशी कुमरावत तमोली समाज नगर एवं आसपास एवं दूर दराज से स्वजातीय बंधुओ ने उद्यापन कार्यक्रम में भाग लिया सभी की उपस्थिति में उद्यापन यज्ञ पुर्णाहुती आरती पश्चात महाप्रसादी आयोजित की गयी।

बदल रहा है, नीमच जिले का औद्योगिक परिदृश्य, नवीन औद्योगिक निवेश को मिल रहा है बढ़ावा

नीमच में स्वराज सुटिंग्स के परिधान निर्माण उद्योग में 400 स्थानीय लोगो को मिला रोजगार औद्योगिक क्षेत्र झांझरवाड़ा में 400 करोड़ के निवेश से प्रारंभ हुआ वस्त्र निर्माण उद्योग

नीमच। जिला मुख्यालय नीमच के औद्यागिक क्षेत्र झांझरवाड़ा में म.प्र.शासन व्दारा सर्वसुविधायुक्त औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया गया है। इस औद्यागिक क्षेत्र में नवीन उद्योग स्थापित करने के लिए अनेक निवेशक आगे आ रहे है। मेसर्स स्वराज सुटिंग्स प्रा.लि.व्दारा 400 करोड़ का पूंजी निवेश कर औद्योगिक क्षेत्र झांझरवाड़ा (नीमच) में कपड़ा एवं परिधान निर्माण की नवीन इकाई स्थापित की गई है। इस नवीन औद्यागिक ईकाई में नीमच जिले के लगभग 400 स्थानीय लोगो को रोजगार मिल रहा है। भविष्य में इस औद्योगिक ईकाई में 300 अतिरिक्त लोगो को रोजगार मिलेगा । स्वराज सुटिंग्स प्रा.लि.की वस्त्र निर्माण ईकाई में काम करने वाले ग्राम सोनियाना के आकाश बैरागी ने बताया, कि पहले वह मण्डी में काम करता था, इस उद्योग के बारे में पता चला, तो वह इसे देखने आया और फिर इसी उद्योग में काम करने लगा धीर-धीरे काम सीखकर अब वह इसी उद्योग में मेंटनेंस कर्मी के रूप में काम कर रहा है और उसे अच्छा मानदेय मिल रहा है। इस वस्त्र निर्माण ईकाई में आसपास के गांव धामनिया, सोनियाना, झांझरवाड़ा, महुडियाके अनेको स्थानीय युवक, युवतियों को रोजगार मिला है। महाप्रबधंक उद्योग श्री अमरसिह मौरे ने बताया , कि नीमच जिले के औद्योगिक कलस्टर सगराना में 3400 करोड़ के पूँजी निवेश से मेसर्स गोल्डक्रस्ट सीमेंट प्रा.लि.व्दारा सीमेंट उद्योग स्थापित किया जा रहा है। सीमेंट निर्माण यूनिट में 1700 लोगों को रोजगार मिलेगा। नीमच के समीपस्थ ग्राम जेतपुरा में मेसर्स धानुका बायोटेकएथनाल द्वारा 300 करोड़ की लागत से एथेनाल प्लांट स्थापित कर उत्पादन प्रारंभ कर, दिया गया है। इस प्लांट में 200 स्थानीय लोगो को रोजगार मिल रहा है।

नीमच जिले के ग्राम बामनबर्डी में मेसर्स ओसवाल सिलीयम प्रा.लि. व्दारा एथेनाल प्लांट स्थापित किया जा रहा है। मेसर्स विश्वेश्वरिया डेनिम प्रा.लि.व्दारा औद्योगिक क्षेत्र झांझरवाड़ा में 135 करोड़ के पूंजी निवेश से कपड़ा एवं परिधान निर्माण उद्योग लगाया जा रहा है। इसमें 500 लोगों को रोजगार मिलेगा।

मेसर्स सुविधी रैयांस द्वारा ग्राम मोरवन में 600 करोड़ के पूंजी निवेश से टेक्सटाईल इण्डस्ट्रीज प्रस्तावित है। इसमें 2500 लोगों को रोजगार मिलने की सम्भावना है। ग्राम सोनियाना में मेसर्स सोनियाना टेक्सटाईल्स द्वारा 90 करोड़ का पूंजी निवेश कर टेक्सटाईल उद्योग लगाया जा रहा है। इसमें 500 लोगों को रोजगार मिलेगा।
मेसर्स बाबजी इंडस्ट्रीज नीमच द्वारा चीताखेडा में 60 करोड़ का पूंजी निवेश कर इंटीग्रेटेड मेन्युफेक्चरिंग (सीमेंट पेवर ब्लॉक, टॉयस आदि) निर्माण उद्योग स्थापित किया गया है। इसमें लगभग 200 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है।

नीमच में औद्योगिक निवेश के लिए पर्याप्त भूमि उपलब्ध

नीमच जिले में औद्योगिक निवेश के लिए पूर्व एमएसएमई मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा के प्रयासों से नीमच जिले में कुल 451.148 हेक्टेयर भूमि नवीन उद्योगो के लिए आरक्षित कर, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र नीमच के पास उपलब्ध है। इसके साथ ही औद्योगिक केंद्र विकास निगम के अधीन कुल 135.34 हेक्टेयर भूमि उपलब्ध है। नीमच जिले के नयागांव में (जावद) 0.836 हेक्टेयर, चेनपुरा (नीमच) 55.420 हेक्टेयर, बामनबर्डी(नीमच) 67.28 हेक्टेयर, ग्राम जाट(सिंगोली) 181.799 हेक्टेयर, जनकपुर(जावद)में 3.62 हेक्टेयर, जगेपुर हाडा(जावद) 21.143 हेक्टेयर, ग्राम दारू एवं सेमार्डा(नीमच) नीमच में 55.16 हेक्टेयर, ग्राम सगराना(नीमच) में 57.48 हेक्टेयर एवं सगराना (नीमच) में 8.41 हेक्टेयर भूमि औद्योगिक निवेश के लिए उपलब्ध है। साथ ही यहां भूमिगत जल एवं विद्युत ग्रिड एवं विद्युत लाईन की भी उपलब्धता है। मुख्य सड़क राजमार्ग से उक्त सभी स्थानों की दूरी लगभग एक से 5 कि.मी. के बीच है।

औद्योगिक केंद्र विकास निगम के अधीन ग्राम सोनियाना (नीमच) में 63.080 हेक्टेयर, गोठा (जावद) में 4.000 हेक्टेयर, मोरवन(जावद) में 50.000 हेक्टेयर, बासनिया(रामपुरा) 18.26 हेक्टेयर भूमि उपलब्ध है।

पंचमुखी सिद्धि गणेश मंदिर में विधायक परिहार ने आशीर्वाद लिया

नीमच। चौकन्ना बालाजी के समीप पंचमुखी गणेश मंदिर में गणेश चतुर्थी से प्रतिदिन शाम 8बजे आरती की जा रही है। जिसमें श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। रात्रि 8.10 बजे नीमच क्षेत्र के विधायक दिलीप सिंह परिहार गणेश मंदिर पहुंचे और महा आरती कर आशीर्वाद ग्रहण किया । आरती के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक श्री परिहार ने कहा कि गणेश मंदिर में आवश्यक जीर्णोद्धार विकास कार्यों की सौगात शीघ्र ही प्रयास कर पूरी करवाई जाएगी। उपस्थित श्रद्धालुओं ने बताया कि भगवान गणेश के दिव्य दर्शन से हमें हमारे कार्य में पुण्य लाभ हुआ है। सुख समृद्धि आई है। इसलिए सभी को गणेश जी के दर्शन करना चाहिए। महायोगी पायलट बाबा आश्रम चौकन्ना बालाजी महंत योगी राज रंजन स्वामी ने बताया कि गणेश आरती में गणेश जी की आरती में गणेश जी के दिव्य दर्शन हुए। गणेश जी को प्रतिदिन फूलों से श्रृंगार परिवर्तन कर सजाया जा रहा है और आकर्षक रंग बिरंगी विद्युत साज

सज्जा के साथ गणेश जी की आरती की गई।

गणेश जी की आरती में गणेश जी के दिव्य दर्शन होने से श्रद्धालुओं को अलग ही आत्मीय प्रसन्नता का अनुभव हुआ इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में लोगों गणेश जी की मूर्ति के समक्ष रुद्राक्ष माला के जाप के साथ अभिमंत्रित सुपारी भी निःशुल्क वितरण किया जाएगा ।

सोयाबीन के दाम 6 हजार करने, नई अफीम नीति में संशोधन सहित विभिन्न मांगों को लेकर किसानों ने निकाली ट्रेक्टर रैली

पीएम, सीएम सहित कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

नीमच। सोयाबीन के दाम 6 हजार करने नई अफीम नीति में संशोधन सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर सोमवार को किसान संघ के बैनर तले बड़ी संख्या में किसान दशहरा मैदान एकत्रित हुए जहां से किसानों ने ट्रैक्टर रैली निकाली,यह ट्रैक्टर रैली दशहरा मैदान से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गो से होती हुई कलेक्टर कार्यालय पहुंची जहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,मुख्यमंत्री मोहन यादव और स्थानीय मुद्दों को लेकर कलेक्टर के नाम तीन अलग-अलग ज्ञापन कलेक्टर प्रतिनिधि एसडीम ममता खेड़े को सोपे, दिए गए ज्ञापनों में बताया गया कि सोयाबीन का समर्थन मूल्य 6 हजार प्रति क्विंटल किया जाए, नई अफीम नीति किसान हितेषी हो जिसमें लाइसेंसों की संख्या बड़ाई जाकर चीरा एवं सीपीएस पद्धति अफीम का मूल्य 10 हजार प्रति किलो सीपीएस पद्धति के डोडो का मूल्य 1000 प्रति किलो एवं 1995 से कटे हुए पट्टे बहाल करने व दौड़ा चुरा 500 प्रति किलो खरीदी की जाए, कपास का समर्थन मूल्य 10 हजार किया जाए,मक्का का समर्थन मूल्य ढाई हजार रुपए किया जाए, कृषि उपज का लागत के आधार पर लाभकारी मूल्य दिया जाए,बलराम जयंती को किसान दिवस घोषित किया जाए,मनरेगा योजना को कृषि से जोड़ा जाए, सभी जिलों में सर्व सुविधा युक्त कृषि महाविद्यालय खोले जाए, जंगली जानवर एवं आवारा पशुओं से फसलों में होने वाले नुकसान की क्षतिपूर्ति दी जाए,आयात निर्यात नीति को खेती के अनुरूप बनाया जाए, मुख्यमंत्री खेत सड़क योजना एवं बलराम तालाब योजना अभिलंब प्रारंभ की जाए, गोवंश को बढ़ावा देने हेतु पलक किसान को प्रति गाय प्रोत्साहन राशि दी जाए,भूमि अधिग्रहण कानून किसान हितेषी बनाया जाए,मुख्यमंत्री कृषक मित्र योजना में पर्याप्त फंड उपलब्ध कराया जाए, किसानों को सीजन में 6 घंटे दिन में और 6 घंटे रात में बिजली दी जाए, राजस्व के प्रकरणों का निपटारा शीघ्र किया जाए,

प्रत्येक किसान को खेत तक जाने हेतु पर्याप्त मार्ग उपलब्ध कराया जाए।ओर स्थानीय मुद्दों में नीमच डूंगलावदा में बनी नई कृषि उपज मंडी में सभी उपज की नीलामी तत्काल शुरू की जाए, लहसुन मंडी में लागू की गई नई तोल एवं परिवहन की व्यवस्था सभी जिंसों में लागू की जाए,जिले में सिंचाई हेतु चंबल नदी का पानी सभी खेतों पर पहुंचाया जाए, बरसात के कारण खराब हुई सड़कों का रखरखाव तत्काल कराया जाए,रवि सीजन को देखते हुए सरकारी समितियां पर पर्याप्त खाद व्यवस्था की जाए जैसे मुद्दे शामिल किए गए।

डॉक्टर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया स्मृति में सांस्कृतिक खेलकूद प्रतियोगिताओं में दिखाई प्रतिभा, इंजीनियर एसोसिएशन का आयोजन

उठो लड़कियों शस्त्र उठा लो अब गोविंद नहीं आएंगे.... नाटिका से दिया बालिकाओं को आत्मरक्षा का संदेश

नीमच। उठो लड़कियों शस्त्र उठा लो आप गोविंद नहीं आएंगे..... अवसर था जिला इंजीनियर एसोसिएशन द्वारा अभियंता दिवस के दो दिवसीय कार्यक्रमों की श्रृंखला में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच महिलाओं द्वारा प्रस्तुत नृत्य नाटिका में दिया गया था । महिला एवं बालिकाओं ने नाटिका में सभी समाज जनों से आह्वान किया कि वह अपने बेटा और बेटी के लालन-पालन में भेदभाव नहीं करें। समान भाव रखें और लड़कियों को यह संदेश दिया कि आधुनिक युग में लड़कियों को अपनी आत्मरक्षा स्वयं करना सीखना होगी। उन्हें कोई बचाने नहीं आने वाला है। नाटिका में श्रीमती अनीता टांक, मधु चतुर्वेदी, उर्मिला गौड़,अलका विजयवर्गीय, अंकिता पोरवाल, शोभना शाकी, राधा त्रिवेदी, श्वेता रांगनेकर, शीतल यादव, प्रभावी अभिनय प्रस्तुत किया। अभियंता दिवस के उपलक्ष में धामनिया स्थित शासकीय स्कूल में बच्चों को जूते वितरण किए गए साथी संगठन के सदस्यों के लिए खेल प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया जिसमें उन्होंने सहभागिता निभाई इसके बाद अभियंता दिवस के अवसर पर बड़ी संख्या में इंजीनियर शहर के इंजीनियर सर्किल पर एकत्रित हुए जहां उन्होंने भारत रत्न डॉक्टर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया रवैया प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके साथ ही लायन डेन सभागार में विभिन्न खेलकूद पुरुषों के लिए कैरम शतरंज बैडमिंटन महिलाओं में बच्चों के लिए चेयर रेस कपल गेम 1 मिनट गेम सहित विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें सभी ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिसमें सभी ने उत्साह के साथ सहभागिता निभाई।
जिला इंजीनियर एसोसिएशन नीमच तत्वाधान में भारत रत्न डॉ. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरय्या जी के जन्मदिन लायन डेन सभा भवन में अभियंता दिवस या इंजीनियर्स डे के रूप में मनाया गया । कार्यक्रम में जल निगम बोर्ड के महा प्रबंधक जितेंद्र सिंह राणावत, विद्युत मंडल के कार्यपालन यंत्रि ओपी सेन ऑफिस एंड सीमेंट फैक्ट्री प्रोजेक्ट हेड गिरधर जाधव, सीमेंट फैक्ट्री सिविल हेड सुरेश ओसवाल ,एसोसिएशन अध्यक्ष करण कुमार टॉक, सचिव अमित रांगनेकर तथा कोषाध्यक्ष पी एन गुप्ता मंचासीन थे। मैं उपस्थित जैन समूह को संबोधित करते हुए
इंजीनियर जितेंद्र सिंह राणावत ने
कहा कि इंजीनियर तकनीक का उपयोग कर विकास कार्य करते हैं।इंजीनियर अपने तकनीकी ज्ञान से समाज विकास में सहभागी बनते हैं और मानवता के विकास में योगदान देते हैं और उत्कृष्ट परिणाम देते हैं। देश के सभी इंजीनियर समाज और राष्ट्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इंजीनियरों के योगदान के बिना राष्ट्र का विकास अधूरा है। मनासा विधायक अनिरुद्ध माधव मारू ने कहा कि इंजीनियर धरती पर भगवान के विकास दूत है। सर्वप्रथम विश्वकर्मा जी बाद में नल नील ने पृथ्वी का विकास किया। सभी इंजीनियर मिलकर राष्ट्र का विकास कर रहे हैं। देश के विकास में जब भी आवश्यकता होती है इंजीनियर इंसानियत और मानवता परोपकार के साथ सहयोग प्रदान करते हैं। यदि अच्छा सोचेंगे तो अच्छा कर पाएंगे। अभियंता राष्ट्र विकास के लिए समझौता नहीं करें। युवा वर्ग को आगे बढ़ाए, युवा कुछ नया करता है। संगठन स्थानीय स्तर पर विकास के लिए योजना बनाएं भोपाल विधानसभा में पारित करवाने के लिए सहयोग प्रदान करेंगे।विकास के लिए सही दिशा में सार्थक पहल करना आवश्यक है इंजीनियरों का प्रयास सम्मान योग्य कदम है। विद्युत मंडल कार्यपालन यंत्री इंजीनियर ओ पी सेन ने कहा कि देश के विकास के लिए सड़क भवन उद्योग मशीन सभी क्षेत्र में इंजीनियर का योगदान महत्वपूर्ण होता है। इंजीनियर अनुसंधान कर नए मानक बनाते हैं। हाल ही में दिल्ली में संसद भवन ,चंद्रमा पर चंद्रयान भेजनाओंकारेश्वर में शंकराचार्य की प्रतिमा का निर्माण करना, पेट्रोकेमिकल्स यूनिट,राष्ट्रीय विकास में इंजीनियर रात दिन परिश्रम करते हैं ।ग्रामीण क्षेत्र में भी स्वास्थ्य शिक्षा भवन में इंजीनियरों का योगदान महत्वपूर्ण होता है। भारत के विकास में इंजीनियरों का योगदान अविस्मरणीय है। अब इंजीनियर स्पेस कंप्यूटर सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट में भी सहभागी बन रहे हैं। अध्यक्ष करण कुमार टॉक ने कहा कि अभियंता राष्ट्रीय विकास की धरोहर है।जब भी क्षेत्र में कोई विकास करना हो सड़क बनाना हो पुल बनाना हो तो इंजीनियर की सहायता ली जाती है। जिला कलेक्टर ने रक्तदान के क्षेत्र में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। नगर विकास के लिए इंजीनियरों का योगदान महत्वपूर्ण होता है। भूजल संरक्षण पर्यावरण आदि सेवा प्रकल्प में इंजीनियर सक्रिय रहते हैं। नीमच नगर में पहली बार एक्सपो लगाया था। नवाचार का प्रयास जारी है। अपने स्तर पर संगठन के लिए भूखंड किसी कॉलोनी का नाम डा विश्वेश्वरैया के नाम पर नामकरण, उद्यान आवंटन की मांग प्रमुख है जिसके लिए नगर पालिका से सहयोग की मांग की गई है। सचिव अमित रंगनेकर ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने बताया कि जिला इंजीनियर एसोसिएशन में लगभग 150 से अधिक इंजीनियर हैं। इस एसोसिएशन से जुड़े जिला इंजीनियर एसोसिएशन समय-समय पर तकनीकी वर्कशॉप नीमच के मास्टर प्लान के लिए भी कई बार अपनी राय दे चुका है। पर्यावरण, शिक्षा , स्वास्थ्य के लिए अनेक कार्यक्रम करता आया है। जिसमें इंजीनियर साथी परिवारिक सदस्यों , सेवानिवृत्ति अभियंताओं एवं विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाले इंजीनियरों को एवं इंजीनियर परिवार के व्यक्ति को विशेष उपलब्धि पर सम्मान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती सीमा बंसल प्रीत छाबड़ा ने संयुक्त रूप से सरस्वती वंदना से किया।कार्यक्रम प्रतियोगिता में परफॉर्मेंस के लिए प्रथम, द्वितीय, लक्ष्य तृतीय स्थान विजेता को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में लोक निर्माण विभाग जल संसाधन विभाग लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के अलावा प्राइवेट कार्य करने वाले इंजीनियर आर्किटेक्ट फैक्ट्री के इंजीनियर सभी सम्मिलित थे। इस अवसर पर संस्था के वरिष्ठ , इंजीनियर बाबूलाल गौड़, इंजीनियर सचिंद्र शर्मा ,इंजीनियर एनके सोनार, इंजीनियर राजेश चतुर्वेदी, राजेन्द्र साकी,हरीश छाबड़ा, मनीष विजयवर्गीय, अश्विन वर्मा,आशीष जैन,आर्किटेक्ट मोहित रंगनेकर,आर्किटेक्ट आशीष सुराना, आर के त्रिवेदी,नवीन अग्रवाल,अक्षिता सोनी,दीपिका ऐरन पूजा पुरोहित, किरण महावर, अजीत सिंह चौहान अश्वनी वर्मा अंशुमान चौहान आदि सभी पंजीकृत अभियंता उपस्थित थे। अतिथियों को अफिम डोडा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का संचालन इंजीनियर प्रीत छाबडा,आशीष जैन ने संयुक्त रूप से किया तथा आभार कोषाध्यक्ष पीएन गुप्ता ने व्यक्त किया।

इनका किया सम्मान

कार्यक्रम में समाज मैधावी विधार्थियों व सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए नवीन कुमार अग्रवाल ,भारत विकास परिषद के माध्यम से रक्तदान के लिए मनीष विजयवर्गीय, राष्ट्रीय पेंशनर संघ के माध्यम से सेवा कार्यों के लिए बालचंद वर्मा, रिंकू चौहान पीडबल्युडी सुपरविजन एल. एन. तौर ,चंद्र राज जैन, विशिष्ट उपलब्धि व सेवानिवृत्त पी. एन. सिंधी ,कीर्ति चौधरी ,रामगोपाल पाटीदार, आदि को इंजीनियरिंग के माध्यम से उल्लेखनीय सेवा कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

ट्राले की टक्कर से 50 वर्षीय बाइक सवार व्यक्ति की मौत

नीमच। कैंट थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले सकराना घाटे पर सोमवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसा घटित हुआ, जिसमें एक ट्राला चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी इस घटना में बाइक सवार की मौके पर मौत हो गई,जिसे नयागांव टोल एंबुलेंस द्वारा नीमच जिला चिकित्सालय लाया गया जहां चिकित्सकों ने उसकी मौत की पुष्टि की, इसके बाद कैंट पुलिस द्वारा मृतक के शव का परीक्षण कराकर शव परिजनों को सौपा व मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई प्रारंभ की है। जिला अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार कन्हैयालाल पिता भेरुलाल माली उम्र 50 वर्ष निवासी नयागांव सोमवार को बाइक पर सवार होकर ग्राम सावन शोक के कार्यक्रम में शामिल होने जा रहा था इसी दौरान सकराना घाटे पर ट्राले के चालक द्वारा लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उसे जोरदार टक्कर मार दी इस घटना में उसकी मौके पर मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई प्रारंभ की है।

शहर में 2 स्थानों पर होगा गणेश प्रतिमा का विसर्जन, 6 स्थानों पर बनाये गये प्रतिमा संग्रहण केन्द्र

नीमच। नगरपालिका परिषद नीमच द्वारा अनन्त चतुर्दशी पर गणेश प्रतिमा के विसर्जन हेतु नपाध्यक्ष श्रीमती स्वाति-गौरव चैपड़ा के मार्गदर्शन एवं सीएमओ महेन्द्र वशिष्ठ के नेतृत्व में दलों का गठन कर तैयारी पूर्ण कर ली गई हैं। शहर में विभिन्न स्थानों पर आयोजित 10 दिवसीय गणेश उत्सव हेतु बड़ी गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन हेतु जाजूसागर बांध के अतिरिक्त नीमच शहर में 2 स्थानों पर गणेश प्रतिमा के विसर्जन की व्यवस्था रहेगी। वहीं भक्तों के घरों व संस्थानों में स्थापित छोटी प्रतिमाओं के विसर्जन हेतु शहर में 6 स्थानों पर प्रतिमा संग्रहण केन्द्र बनाये गये है, जहां तैनात नपा कर्मचारी भक्तों से प्रतिमा प्राप्त कर नपा के वाहन द्वारा गणेश प्रतिमा विसर्जन वाले स्थान पर पहुंचाकर प्रतिमा का विधिवत विसर्जन करवायेंगे। उक्त जानकारी देते हुए नगरपालिका नीमच के कार्यालय अधीक्षक कन्हैयालाल शर्मा ने बताया कि नगरपालिका नीमच द्वारा गणपतिजी की बड़ी प्रतिमाओं के विसर्जन हेतु संजीवनी कॉलोनी तालाब व शिवघाट के यहां तथा जाजूसागर बांध पर व्यवस्था की गई है एवं नीमच शहर में छोटी गणेश प्रतिमाओं हेतु पीपली चैक नीमच सिटी, नीमच सिटी मठ के पास, भारतमाता चैराहा (फोरजीरो), राजा टोडरमल चैराहा हुड़को (बंसल चैराहा), पाटीदार छात्रावास ग्वालटोली व गणेश मंदिर, स्टेशन रोड पर संग्रहण केन्द्र बनाये गये हैं, जहां नपा कर्मचारी भक्तों से मूर्ति प्राप्त कर विसर्जन स्थल पहुचाएंगे। श्री शर्मा ने बताया कि गणेश प्रतिमा विसर्जन स्थल पर 17 व 18 सितम्बर तथा गणेश प्रतिमा संग्रहण केन्द्र पर नपा कर्मचारी 17 सितम्बर मंगलवार को तैनात रहेंगे। श्री शर्मा ने सभी श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि वे गणेश प्रतिमाओं को पानी में स्वयं विसर्जन करने के बजाये पूजा-अर्चना पश्चात् नपा कर्मचारियों के हाथो ही प्रतिमा का विसर्जन कराये ताकि संभावित दुर्घटना से बचा जा सके ।

अन्नपूर्णा सेवा न्यास समिति ने किया केसरिया हिंदू वाहिनी के पदाधिकारियों को सम्मानित

नीमच। पुर्व नगरपालिका अध्यक्ष व अन्नपूर्णा सेवा न्यास समिति के संयोजक सरल सहज सौम्य व्यक्तित्व के धनी राकेश (पप्पू) जैन ने केसरिया हिंदू वाहिनी के नव नियुक्त पदाधिकारी प्रदेश महासचिव चंद्रशेखर जायसवार, जिला अध्यक्ष मोहन यादव, जिला संगठन मंत्री जय शंकर (मोंटू) यादव, मिडिया प्रभारी गिरधारी यादव, जिला सचिव दिलीप लालवानी, जिला महामंत्री दुर्गा शंकर दंशाणा (पार्षद वार्ड नं 8) को अन्नपूर्णा सेवा न्यास समिति कार्यालय पर सनातन धर्म का प्रतीक केसरिया दुपट्टा व पुष्प माला पहनाकर मिठाई खिला सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अन्नपूर्णा सेवा न्यास समिति के संयोजक पुर्व नगरपालिका अध्यक्ष राकेश (पप्पू) जैन, अभिषेक कोठरी, सुनील नलवाया, संतोष अशर्मा, एडवोकेट नरेन्द्र झाला, दिनेश शर्मा एवं अन्नपूर्णा सेवा न्यास समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला-23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पर्कः 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।